सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह -पेज: 7

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रकुल प्रीत को मिला ये स्मान -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 77 | बुधवार 25 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

'चुनाव नियम से कराए जाते हैं', राहुल गांधी के आरोपों पर इलेक्शन कमीशन का जवाब; चर्चा के लिए बुलाया

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के 2024 महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के आरोपों का जवाब दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि चुनाव संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और नियमों के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया की विकेन्द्रीकृत प्रकृति का ब्योरा दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जिस तरह से चुनाव आयोग पर मतदाता सूची सहित अन्य दूसरी चुनावी गड़बड़ियों के गंभीर आरोप लगा रहे है, उसके बाद तो आयोग ने राहुल गांधी के साथ सभी चुनावी मुद्दों पर वन-टू-वन बातचीत करने और उनकी चुनावी शंकाओं को दूर करने का फैसला लिया है। इसके लिए चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को मेल व पत्र के लिए सीधे बातचीत का न्योता भेजा है। साथ ही उन्हें अपनी सुविधानुसार जल्द ही कोई तारीख व समय तय करके आयोग को सूचित करने को कहा है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को यह पत्र सात जून को उनकी ओर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर उनकी ओर से लिखे गए लेख के बाद भेजा है। आयोग की ओर से 12 जून को राहुल गांधी को यह पत्र मेल के साथ उनके आवास पर व्यक्ति भी भेजकर रिसीव कराया गया है। ह्यदैनिक जागरणह्न ने अपने 10 जून के अंक में ही आयोग की इस तैयारी की जानकारी दी थी। साथ ही बताया था कि आयोग अब कांग्रेस पार्टी के साथ होने वाली बैठक राहुल गांधी को प्रमुखता से बुलाना चाहता है, ताकि उनकी चुनाव से जुड़ी शंकाओं को दूर किया जा सके। आयोग हाल ही में कांग्रेस को छोड़कर भाजपा, बसपा, आप, सीपीआई (एम) व एनपीपी के साथ बैठक कर चुका है। इन बैठकों में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, बसपा सुप्रीमो मायावती, आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल, एनपीपी अध्यक्ष कॉनराग संगमा व सीपीआई (एम) के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया था। राहुल गांधी को चर्चा के लिए लिखे गए पत्र में आयोग ने कहा है कि चुनाव आयोग कोई भी चुनाव संसद के पारित कानून और उनके अनुसार बनाए गए नियम-निदेशों के तहत संचालित होता है। ऐसे में चुनाव में गड़बड़ी की बात पूरी तरह से गलत है। आयोग ने राहुल गांधी को बताया है कि उनकी ओर से महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ियों के जो आरोप लगाए गए ते, उनके जवाब वह 24 दिसंबर 2024 को लिखित में विस्तार से दे चुका है। महाराष्ट्र चुनाव की प्रक्रिया से जुड़े थे 28 हजार से कांग्रेस के भी एजेंट आयोग ने राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि जिस महाराष्ट्र चुनाव में वे गड़बड़ी के आरोप लगा रहे है, उनमें एक लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) के साथ ही राजनीतिक दलों के जुड़े 1.08 लाख बूथ लेवल एजेंट भी शामिल थे। राजनीतिक दलों से जुड़े इन एजेंटों में 28 हजार से अधिक एजेंट अकेले कांग्रेस के थे। इसके साथ चुनाव में 288 मतदाता पंजीयन अधिकारी, 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक व 71 आय-व्यय पर्यवेक्षक भी शामिल थे।

संस्कृत को फंड, तमिल के लिए मगरमच्छ के आंसू... एमके स्टालिन ने केंद्र पर लगाया पक्षपात का आरोप

तमिलनाडु (एजेंसी): तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा करते हुए संस्कृत को तरजीह देने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने लिखा, "संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं; तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव; सारा पैसा संस्कृत के लिए!" मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआई) और सार्वजनिक अभिलेखों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर द हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके विपरीत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया - पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं - के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिसे 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, को भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए अनुदान योजना के तहत 113.48 करोड़ रुपये मिले - जो संस्कृत से 22 गुना कम है।

क्या राज्यसभा जाएंगे अरविंद केजरीवाल? खुद की उम्मीदवारी पर एएपी प्रमुख ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे। यह बात पंजाब में लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में पार्टी के मौजूदा उच्च सदन सदस्य संजीव अरोड़ा के जीतने के बाद कही। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल से पूछा गया कि पार्टी अरोड़ा की जगह किसे उम्मीदवार बनाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मुझे कई बार राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा की जा रही है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति तय करेगी कि किसे नामित किया जाए। 2022 के विधानसभा चुनावों में पंजाब में प्रचंड बहुमत के बाद एएपी ने अरोड़ा को 2022 में राज्यसभा भेजा। हालांकि, इस साल की शुरूआत में, इसने लुधियाना पश्चिम से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की, जहां मौजूदा एएपी विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी की मृत्यु के बाद चुनाव आवश्यक हो गए थे। केजरीवाल, तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे हैं, जो फरवरी में नई दिल्ली सीट से भाजपा के प्रवेश साहिब सिंह से हार गए थे, पिछले कई हफ्तों से अरोड़ा के लिए प्रचार कर रहे थे। जबकि इससे यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह राज्यसभा में अरोड़ा की जगह ले सकते हैं, अअढ ने फरवरी में ही इसे खारिज कर दिया था। एएपी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने उस समय कहा था कि जहां तक अरविंद केजरीवाल का सवाल है, पहले मीडिया ने कहा था कि वह पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे। अब, वे कह रहे हैं कि वह पंजाब से राज्यसभा जाएंगे। मीडिया के सूत्र बिल्कुल गलत हैं। हालांकि, तब से बहुत कुछ बदल गया है, आप ने दिल्ली के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम में भी सत्ता खो दी है, और पार्टी अब केवल पंजाब में सत्ता में है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस संदर्भ में, राज्यसभा सीट पर फैसला महत्वपूर्ण होने वाला था।

अनंतनाग में आतंकवादियों का मददगार को गिरफ्तार, पुंछ में सुरक्षा बलों का जारी है 12 स्थानों पर तलाश अभियान

जम्मू कश्मीर (एजेंसी): जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को लगभग 12 स्थानों पर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राष्ट्रीय राइफल्स ने सुबह छह बजे से सुरनकोट और मेंढर में संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान सुरनकोट के सरी, उस्तन, पठानखोर, लोहार मोहल्ला, चांदीमढ़, फागल, हरि टॉप और मेंढर के उचाद एवं कल्लर-गुरसाई में जारी है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले से आतंकवादियों के एक मददगार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यहां जानकारी दी। सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बिजबेहरा शहर से बुरहान अमीन मलिक को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के मददगार के कब्जे से एक हथगोला बरामद किया गया। आपको बता दें कि जहां एक तरफ भारतीय सेना का तलाशी अभियान आतंकी की जड़े काटने के लिए जारी हैं वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को कहा कि उसने पहलगाम आतंकवादी हमले में संलिप्त आतंकवादियों की पहचान के बारे में ठोस सबूत जुटाए हैं। संघीय एजेंसी ने यह भी कहा कि उचित समय पर विवरण को सार्वजनिक किया जाएगा। आतंकवाद रोधी एजेंसी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जांच कर रही है जिसमें 26 लोग मारे गए थे। एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एनआईए ने रविवार को दो स्थानीय लोगों- परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर को हमले में संलिप्त तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि तीनों पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हैं। एनआईए ने एक बयान में कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को सोमवार को जम्मू की एक अदालत में पेश किया गया और उन्हें पांच दिन की हिरासत में भेज दिया गया है।

यादव कथावाचक को इटावा में अपमानित किये जाने पर भड़के अखिलेश यादव

इटावा (एजेंसी): उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के दांदरपुर गांव में कथित तौर पर ब्राह्मण समुदाय के लोगों की ओर से यादव जाति के एक कथा वाचक और उसके सहयोगी का सिर मुंडवा देने की घटना ने राजनीतिक रूप से तूल पकड़ लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया है कि घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह घटना रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि को हुई। इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने पत्रकारों को बताया कि जिस व्यक्ति का सिर मुंडवाया गया था, उसकी शिकायत के आधार पर इटावा जिले के बकेवर थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अपर पुलिस अधीक्षक को घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसएसपी ने बताया कि उक्त घटना के संबंध में दूसरे पक्ष का कहना है कि कथावाचकों ने उनसे जाति छिपाई। वहीं पत्रकारों से बातचीत में पीड़ित कथा वाचक ने कहा, "मैं पहले एक निजी स्कूल संचालित करता था लेकिन सरकार ने स्कूल बंद करवा दिया, इसलिए मैं भागवत कथा करने लगा और कथा वाचक मुकुट मणि का सहायक बन गया। उसने कहा, हमें 21 जून से दांदरपुर गांव में भागवत कथा के लिए बुलाया गया था। हमसे हमारी जाति पूछी गई। इसके बाद मुझे पूरी रात प्रताड़ित किया गया और मेरे बाल मुंडवा दिए गए। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ितों के साथ एसएसपी से मिला और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि अगर तीन दिनों में कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो पीडीए के मान-सम्मान की रक्षा के लिए

'भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं', आतंकवाद पर बोले पीएम मोदी

विज्ञान भवन में ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी। आतंकवाद के खिलाफ भारत ने अपनी नीति स्पष्ट की: पीएम मोदी खून बहाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच 100 साल पहले हुई ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर भी खुलकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि 100 साल पहले दोनों की मुलाकात सामाजिक समरसता और विकसित भारत के लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के बड़े स्रोत का काम करती है। मैं उन्हें आज भी याद करता हूं: पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, "श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं। श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश का प्रतीक साबित हो सकते हैं। मैं आज भी जब समाज के शोषित और वंचित वर्ग के लिए कोई बड़ा फैसला लेता हूं तो श्री नारायण गुरु को जरूर याद करता हूं।" केदारनाथ आपदा का किया जिक्र पीएम मोदी ने कहा, "2013 में मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था। तब केदारनाथ में प्राकृतिक आपदा आई थी। वहां शिवगिरी मठ के कई पूज्य संत और भक्तजन भी फंस गए। तब मठ ने भारत सरकार से संपर्क नहीं किया बल्कि मुझे आदेश दिया कि तुम सबको वापस लाओ। ईश्वर की कृपा से मैं सभी संतों और भक्तों को वहां से सुरक्षित वापस ला पाया था।" रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है भारतः पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा, "भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति स्पष्ट बता दी है। आज भारत वही कदम उठाता है, जो संभव और राष्ट्रहित में होता है। भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 'मेड इन इंडिया' हथियारों का इस्तेमाल किया है।" श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी की मुलाकात बता दें कि श्री नारायण गुरु को केरल के महान संतों, सुधारक और दार्शनिकों में गिना जाता है। उन्होंने एक 'जाति, एक धर्म और एक ईश्वर' का नारा दिया था। श्री नारायण गुरु जाति आधारित भेदभाव के सख्त खिलाफ थे। 12 मार्च 1925 को महात्मा गांधी तिरुवनंतपुरम स्थित शिवगिरी मठ पहुंचे, जहां पहली बार दोनों की मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने छुआछूत खत्म करने और देश में सामाजित समरसता फैलाने पर सहमति व्य की थी।

'बच्चों को माओवादियों ने थमा दी थीं बंदूकें, अब हाथों में किताबें हैं', छत्तीसगढ़ में माओवादी प्रभावित क्षेत्र में गरजे अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ दौरे पर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं से मुलाकात की, शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा बलों से संवाद करते हुए 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा।

रायपुर (एजेंसी): छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन सोमवार को नवा रायपुर में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवादी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों नारायणपुर व बीजापुर से पहुंचे 50 से अधिक बच्चों व युवाओं से मुलाकात की, सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद किया और अधिकारियों के साथ बैठक भी की। बच्चों और युवाओं से मुलाकात के संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जिन मासूम बच्चों के हाथों में माओवादियों ने कभी बंदूकें थमाई थीं, आज उन्हीं हाथों में किताबें देकर उनका भविष्य संवारा जा रहा है। जब बच्चा बंदूक की जगह पेंसिल पकड़कर क, ख, ग लिखता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र का, बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजना उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की 'लियोर ओयना' (जंगल से निकलकर रोशनी की ओर) योजना के अंतर्गत माओवादी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों को रायपुर लाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। जवानों को संबोधित करते गृहमंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूं। उन्होंने कहा, "मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वह हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा के खात्मे की फिर घोषणा करता हूं।" शाह बस्तर के नारायणपुर जाने वाले थे, मगर अपरिहार्य कारणों से उनका दौरा रद हो गया। माओवादियों से मुक्ति आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में एक होगा गृह मंत्री ने कहा कि माओवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रहा है। इससे पिछले 35 साल में लगभग 40 हजार लोगों की मौत हुई है, या फिर वे अपाहिज होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। माओवादी हिंसा ने गरीब आदिवासी तक खाना, बिजली, शिक्षा, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को नहीं पहुंचने दिया। उद्योग को तो भूल ही जाइए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब 31 मार्च, 2026 को देश माओवादियों से मुक्त होगा, वह क्षण आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा। बलिदानी एएसपी आकाश राव के घर पहुंचे शाह गृहमंत्री अमित शाह बलिदानी एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे के रायपुर स्थित घर पहुंचे और उनके स्वजनों से मुलाकात की। सुकमा में माओवादियों के आईईडी विस्फोट में गत नौ जून को गिरिपुंजे बलिदान हुए थे। शाह ने गहरी संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिवार को सांत्वना प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

संपादकीय

विश्व शांति की जरूरत

जब इजरायल ने ईरान पर हमला शुरू किया तो अमरीका ने न सिर्फ दूरी बनाए रखी बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप ने दो हफ्तों बाद निर्णय लेने का एलान किया। मगर अचानक ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर रातों-रात बमबारी करते हुए युद्ध में सीधा कूद पड़ा। हालांकि उन्होंने पहले भी संकेत दिए थे। जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ में लिखा था-सबको तेहरान को खाली कर देना चाहिए। ट्रंप ने खुद हमलों की जानकारी देते हुए कहा, परमाणु केंद्र पूरी तरह नष्ट कर दिए गए हैं। साथ ही ईरान को धमकी दी कि यदि उसने जवाबी कार्रवाई की तो उसके खिलाफ अधिक हमले किये जा सकते हैं। अमेरिका का यह ऑपरेशन मिड नाइट हैमर रहा, जिसमें फोडरे व नतांज पर हमला किया गया। नौसेना की पनडुब्बी द्वारा क्रूज मिसाइल का प्रयोग करते हुए इस्फहान पर निशाना बनाया गया। ट्रंप के जी7 की बैठक बीच में छोड़ कर लौटने को भी लोगों ने आशंका भरी नजरों से देखा था। हालांकि पेंटागन समेत अमेरिकी सेंट्रल कमांड, राष्ट्रपति के सहयोगी व सलाहकार, प्रशासन के अधिकारी व सैन्य योजानाकार चिंता व्यक्त कर रहे हैं। उनमें से कई को यह ईरान को उकसाने वाली कार्रवाई प्रतीत हो रही है, जबकि दो सप्ताह वाले बयान को पक्षकार कूटनीतिक योजना का हिस्सा ठहरा रहे हैं और इसे जटिल व ऐतिहासिक सैन्य अभियान बता कर अपनी पीठ खुद ठोक रहे हैं, जबकि विरोधी इसे इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्कृ ष्ट रणनीति का हिस्सा ठहरा रहे हैं। उधर संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अमरीकी हमलों को लेकर बैठक करने की तैयारी में है, जबकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की विरोधाभाषी बयानों के चलते ईरान आलोचना कर रहा है। सुगबुगाहट तो यह भी है कि ट्रंप की शेखी के बावजूद वास्तविक स्थिति अस्पष्ट ही है। कोई नहीं जानता कि ईरान के बम-ग्रेड यूरेनियम को आखिर कितना नुकसान पहुंचा है। धार्मिक कट्टरतावाद या खामेनेई युग का अंत इतना आसान भी नहीं है। क्योंकि मुल्क में तख्तापलट तब तक संभव नहीं है, जब तक ईरानवासी या धार्मिक नेता के विराधी एकजुट न हो जाएं। जबान से इसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज भी बताया जा रहा है। जिसका खामियाजा सारी दुनिया को भुगतने के लिए तैयार होना होगा। विश्व शांति की बातें बनाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अमेरिका के आगे घुटने टेकने की बाजाए हरकत में आना होगा और कूटनीतिक तरीके से इस संघर्ष पर विराम लगाने के सख्त कदम उठाने होंगे।

चिंतन-मनन

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है। यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी।

यद्यपि निर्धारण कताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं।

जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है।

शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है? पर जब वह अंधड़ के साथ जुड़ जाता है, तो आंधी ही वायु रूप में दर्शन देती है। शब्द निराकार है पर जब जिह्वा, होंठ, कंठ आदि के माध्यम से वाणी मुखर होती है, तो उन अंगों का परिचालन वाणी का साकार स्वरूप दिखाई पड़ता है।

वाद्य यंत्र भी ध्वनि के उद्गम के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। इसीलिए उच्च उद्देश्यों में निरत महामानवों को बहुधा अवतार की, भगवान की संज्ञा दी जाने लगती है। श्रेष्ठ भाव संवेदनाओं की तरह आदर्शवादी क्रियाकलाप दैवी अनुग्रह से गतिशील माने जाने लगते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

युद्ध नहीं शांति की ओर जाएं

संजय गोस्वामी

ईरान और इजराइल की टकराव की आग में अब अमेरिका भी खुलकर कूद चुका है. अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर इतिहास का सबसे सफल सैन्य हमला किया नॉर्थ्रॉप बी-2 स्पिरिट, जिसे स्टील्थ बॉम्बर के नाम से भी जाना जाता है,[3] एक अमेरिकी भारी रणनीतिक बमवर्षक है, जिसमें कम-अवलोकनीय स्टील्थ तकनीक है जिसे घने विमान-रोधी सुरक्षा को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। दो लोगों के चालक दल के साथ एक सबसोनिक फ़्लाइंग विंग, विमान को नॉर्थ्रॉप (बाद में नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन) ने प्रमुख ठेकेदार के रूप में डिजाइन किया था, जिसमें बोइंग, ह्यूजेस और वॉट प्रमुख उपठेकेदार थे, और इसका उत्पादन 1988 से 2000 तक किया गया था।[4][1][5] बमवर्षक पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार गिरा सकता है,[6] जैसे कि अस्सी 500-पाउंड वर्ग (230 किग्रा) एमके 82 जेडीएएम जीपीएस-निर्देशित बम, या सोलह 2,400-पाउंड (1,100 किग्रा) बी-2 स्पिरिट2016 में प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भरता हुआ पाया गया यह बहुत ही खतरनाक बम हैं जो कंक्रीट को चिरता हुआ 200 फिट निचे जाता है और सब तबाह कर देता है और 6 बम बर्षक बम से तो प्लांट के अंदर में कुछ भी नहीं बजेगा उसमें उस परमाणु प्लांट के अंदर काम करने वाले लोग भी मारे गए होंगे क्योंकि यह दुनिया का ऐसा बम है धरती के अंदर बहुग तेजी से जाता है औ? जीपीएस व लेजेस से लैस है अतः ऐ लक्ष्य को जीपीएस सिस्टम पता लगाता ँ और जोरदार धमाका करता है अतः बेपन ग्रेड को वहाँ से उससे पहले निकाललेनाइतना आसान नहीं है यदि शिफ्ट ही कर दिया तो फिर कौन से प्लांट में ले जाया गया होगा वो भी तो कहीं गया ले गया होगा यह बिल्कुल वही सामग्री है और कितने समय में वेपन बनेगा यह सब खबर ठीक नहीं लग रहा है जहाँ तक खबरों ऐ दिखया जा रहा जो जानकारी के अभाव मे हैं रेडिशन लीक होने का कारण यह है की यह जमीन के बहुत अंदर था और बमसर्षक इ-2 बम एक नहीं 6 नम गिते अतः एक के एक मिट्टी के अंदर ही दब गए होंगे खैर अमेरिका को इसमें कूदना नहीं चाहिए कोई कुछ भी बना रहा है तो उसमें उसकी टेक्नोलॉजी लगी है इससे उस देश ी अमेरिका के प्रति नफरत होगा ऐ ईरान व इजराइल की लड़ाई थी लेकिन जब इजराइल मे ईरान के तरफ दागी गई मिशायल से इजराइल को जो झटका लगा है वो भी ईरान की ताकत है जो मिशायाल टेक्नोलॉजी में काफी प्रगति की भारत को दोनों देश को शांति बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए युद्ध हमेशा नुकसान ही होता है इजराइल में ईरान की मिसायल इस कदर कोहराम मचा है टेलीवीजन प्रर मीडिया ी इजराइल की छवि खराब हो रही है लोगों मे डर का माहोल पैदा हो गए हैं आखिर कब तक बामशेल्टर मे रहेंगे

कार्टर प्रशासन के दौरान उन्नत प्रौद्योगिकी बॉम्बर (अळइ) परियोजना के तहत विकास शुरू हुआ, जिसने मैक 2-सक्षम इ-1अ बॉम्बर को आंशिक रूप से रद्द कर दिया क्योंकि अळइ ने ऐसा वादा दिखाया था, लेकिन विकास संबंधी कठिनाइयों ने प्रगति में देरी की और लागत बढ़ा दी। अंततः, कार्यक्रम ने विकास, इंजीनियरिंग, परीक्षण, उत्पादन और खरीद सहित प्रत्येक $2.13 बिलियन (2024 में $4.17 बिलियन) की औसत लागत पर 21 बी-2 का उत्पादन किया।प्रत्येक विमान के निर्माण में औसतन वर$737 मिलियन की लागत आई,जबकि कुल खरीद लागत (उत्पादन, स्पेयर पार्ट्स, उपकरण, रेट्रोफिटिंग और सॉफ्टवेयर समर्थन सहित) औसतन प्रति विमान $929 मिलियन (2023 में $1.11 बिलियन) थी।परियोजना की काफी पूंजी और परिचालन लागतों ने इसे अमेरिकी कांग्रेस में विवादास्पद बना दिया, यहां तक कि शीत युद्ध के समापन से पहले भी सोवियत क्षेत्र में गहरी हमला करने के लिए डिजाइन किए गए एक स्टील्थ विमान की इच्छा नाटकीय रूप से कम हो गई थी। नतीजतन, 1980 और 1990 के दशक के अंत में सांसदों ने 132 बमवर्षकों की योजनाबद्ध खरीद को घटाकर 21 कर दिया बिना ईंधन भरे इसकी रेंज 6,000 नॉटिकल मील (11,000 किमी; 6,900 मील) से ज्यादा है और एक बार हवा में ईंधन भरने पर यह 10,000 नॉटिकल मील (19,000 किमी; 12,000 मील) से ज्यादा की उड़ान भर सकता है। यह 1997 में लॉकहीड ऋ117 नाइटहॉक अटैक एयरक्राफ्ट के बाद एडवांस्ड स्टील्थ तकनीक से डिजाइन किए गए दूसरे एयरक्राफ्ट के रूप में सेवा में आया था। मुख्य रूप से परमाणु बमवर्षक के रूप में डिजाइन किए गए इ-2 का पहली बार 1999 में कोसोवो युद्ध में पारंपरिक, गैर-परमाणु आयुध गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया था। बाद में इसका इस्तेमाल इराक, अफगानिस्तान, लीबिया, यमन और ईरान में किया गया।

संयुक्त राज्य वायु सेना के पास 2024 तक सेवा में उन्नीस बी-2 हैं; एक 2008 की दुर्घटना में नष्ट हो गया था और 2022 में दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुए दूसरे को संभावित मरम्मत की लागत और अवधि के कारण सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया गया था। वायु सेना ने 2032 तक बी-2 को संचालित करने की योजना बनाई थी लेकिन ईरान के परमाणु सयन्त्र पर हमले में उसके तीनो परमाणु सयंत्र नस्ट हो गए लेकिन परमाणु सयन्त्र को इस तरह बनाया जाता है कि भूकंप आने पर भी उसे कुछ नहीं होता है अगर हमसे पूछेंगे तो मेरे अनुसार परमाणु सयन्त्र साल दो साल में नहीं बल्कि उसे बनने में 10-15 साल तक लग जाता है और संवर्धित यूरेनियम वह यूरेनियम है जिसमें आइसोटोप पृथक्करण नामक प्रक्रिया के माध्यम से आइसोटोप यूरेनियम-235 का प्रतिशत बढ़ाया गया है। प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यूरेनियम में थोड़ी मात्रा में यू-235 (लगभग 0.72%) होता है, लेकिन परमाणु रिएक्टरों और हथियारों में उपयोग के लिए इस प्रतिशत को बढ़ाने की आवश्यकता होती है ताकी फिशन रिएक्शन हो सके और जिसे कण्ट्रोल करने पर परमाणु रीक्टर बनता है लेकिन अधिकतर देश इसे परमाणु अस्त्र बनाने का काम करते है यह यूरेनियम का ही आसोटोप है नुक्लियर सेंटर में कार्य करने वाले लोग अपने देश के टॉप स्टूडेंट होते हैं क्योंकि उसमें तकनिकी के साथ साथ रेडीएशन को कण्ट्रोल करना भी एक चुनौती होती है परमाणु सयंत्र का डिजाइन बहुत ही जटिल प्रक्रिया है और उसमें गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है और आईएईए के नियम के अनुसार होता है और यह फैसिलिटी में बहुत खर्चे होता है रोबोटिक का इसमें बहुत सावधानी से प्रयोग में लाया जाता है अतः यह किसी भी देश के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था होती है और इससे जो रेडियोआइसोटोप निकलते हैं वो कैंसर, फल को अधिक समय तक जाता रखना रेडियोग्राफी में काम आता है अतः ऐ किसी देश की टेक्नोलॉजी है जिसमें अभी भी शोध है इसलिए ऐ कहना की उससे पहले ही वेपनग्रेड यूरेनियम को वहाँ से निकाल लिया गया है तो सही नहीं होगा क्योंकि रेडियोएक्टिव मटेरियल को लुका या छिपा कर नहीं लाया जा सकता है यूरेनियम को वहाँ से हटाना मुश्किल है क्योंकि सेंट्रीफ्यूज सिस्टम जहाँ इनस्टॉल है वहाँ बहुत सालों के बाद ऐ बना होगा और ऐ फल सब्जी जैसा नहीं है कि तुरंत वहाँ से हटा ली जाए उसपर सीआईए की सेटेलाइट लगी ँङ्ग३ सबसे आम वाणिज्यिक विधि सेंट्रीफ्यूज का उपयोग करती है। ये मशीनें उच्च गति पर वऋ६ गैस को घुमाती हैं, जिससे भारी व-238 को हल्के व-235 से उनके द्रव्यमान अंतर के कारण अलग किया जाता है। हल्का व-235 सेंट्रीफ्यूज के केंद्र के पास केंद्रित होता है, जबकि भारी व-238 बाहरी किनारे पर चला जाता है अतः यूरेनियम जो परमाणु वेपन के लिए ईरान बना रहा था जैसा की नेतान्याहू ने इसके लिए ट्रम्प को धन्यवाद कहा लेकिन अपने घर खंडहर बन रहा है उसे शांति पूर्ण तरीके से रोकने के लिए सीजफायर के लिए प्रयास करना चाहिए क्योंकि इस जंग मे दुनिया मे आर्थिक संकट आ सकती है. अतः नहीं शांति की ओर जाएं नहीं तो दोनों तरफ से सब बर्बाद हो जायेगा..।

नशाखोरी : विकसित भारत के लिए अभियान जरूरी

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्र. गुप्ता

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर चुनौती के रूप में सीना तानकर खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा जारी ह्यविश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2024ह्न के अनुसार 29.2 करोड़ से भी अधिक लोग पूरे विश्व में मादक पदार्थ के सेवन में लिप्त हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि ऐसे लोगों की संख्या में पिछले दशक की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नशे के प्रति इतनी रु झान मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर संकट की ओर संकेत कर रही है।

भारत में भी युवा बड़ी संख्या में नशाखोरी की चपेट में हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती रु चि को एक पीढ़ीगत संकट बताया है। यह चुनौती इतनी गंभीर है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यमन की बातह्न के तीसरे एपिसोड में 14 दिसम्बर 2014 को पूरी संवेदना के साथ देश के युवाओं से नशाखोरी से बाहर आने की विशेष अपील की थी। साथ ही उन्होंने युवाओं को विास दिलाया कि राष्ट्र के सामने मौजूद इस गंभीर संकट से निपटने के लिए वे युवा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश के लगभग 20 प्रतिशत लोग नशे की चपेट में हैं।

इनमें 1.5 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 10 वर्ष से 17 वर्ष की आयु वर्ग वाले लगभग 1.5 करोड़ किशोर भी इस खतरे की चपेट में हैं, जिनमें चिंताजनक संख्या में छोटी-छोटी बेटियां भी हैं। ह्यग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडीज 2017ह्न के अनुसार पूरी दुनिया में 7.30 लाख लोग अवैध ड्रग्सं के सेवन के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए, जिसमें से 22 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु भारत में भी हुई। एन.सी.आर.बी की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में ही पूरे देश भर में ड्रग्स से परेशान होकर लगभग 7800 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिसमें 20 वर्ष से 50 वर्ष की आयु वर्ग वाले अधिक लोग रहे। कष्टदायक स्थिति ये है कि हमारे कुछ युवा नशे के दुष्प्रभाव के कारण मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं।

देश के लगभग 45 मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अस्पतालों में पिछले 10 वर्षो में भर्ती लोगों में 20 प्रतिशत नशे के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ माने गए। नशे के कारण मानसिक बीमारी के शिकार लोगों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में नशे से संबंधित एफ.आई.आर की संख्या में वृद्धि हुई है। भारत में 3 करोड़ से अधिक लोग भांग के नशे में लिप्त हैं, जिनमें से 72 लाख से अधिक लोग इसकी वजह से अस्वस्थ हैं। 10 लाख के आसपास लोग इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेते हैं, जबकि 10 करोड़ से अधिक लोग अनेक अवैध नशीले पदार्थ का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि केवल भारत ही इस संकट से जूझ रहा है।

अमेरिका, फ्रांस इत्यादि देशों के साथ सीरिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, रूस, ब्राजील इत्यादि देश भी इस समस्या से ग्रसित हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण दुनिया में सबसे अधिक मौतें अमेरिका और फ्रांस में ही हुई हैं। सीरिया में तो सरकार ने ही नशीली दवाओं के व्यापार को वित्त पोषित किया है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2017 के अनुसार केवल अमेरिका में ही नशीली दवाओं के कारण 70 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। सबसे बडी. चिंता का विषय यह है कि भारत की शिक्षण संस्थाओं के आसपास चाय-नाश्ते की दुकानों, जनरल स्टोर्स इत्यादि के माध्यम से युवाओं को ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थरे के दलदल में घसीटा जा रहा है।

भारत सरकार की ओर से समय-समय पर अनेक आवश्यक कदम उठाए जाते रहे हैं। एक तरफ सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से ड्रग्स के अवैध व्यापार पर लगातार छापेमारी करके उन नशीले पदार्थरे को नष्ट कर रही है तो दूसरी ओर इसमें लाभ कमाने की दृष्टि से जो असामाजिक तत्व लगे हुए हैं, उनको कानून के कड़े प्रावधानों के द्वारा दंडित भी कर रही है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नशाखोरी को समाप्त करने के लिए ह्यड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंसह्न की नीति के तहत प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद से ही ड्रग्स माफिया पर लगातार प्रहार हो रहे हैं।

गृह मंत्रालय की सूचना के अनुसार देश की तमाम जांच एजेंसियों ने हाल ही में 2023 में 16 हजार करोड़ रु पये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया था। 2024 में 25 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया गया। 2023 की तुलना में 2024 में 55 प्रतिशत अधिक ड्रग्स जब्त किया गया। अगर हम नशे की गंभीर चुनौती को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें सरकार के प्रयासों को जन भागीदारी से जोड़कर उचित क्रियान्वयन में सहयोग करना होगा। आवश्यकता है विश्व के अग्रणी देशों में नशे की रोकथाम के लिए अमल में लाई जा रही कानून-व्यवस्था के अध्ययन की। इसके आधार पर भारत में नशे की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से अनुसंधान कर उपलब्ध प्रावधानों का आवश्यक संशोधन किया जा सके।

नए भारत की नई कहानीः ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।

मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना।

आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज्यादा। यह दशार्ता है कि भारत अब केवल बाजार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नजदीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया।

इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निमार्ता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्त्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन के तहत 510 करोड़ रुपए की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को ह्यप्लग-एंड-प्लेह्न मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।

आज भारत को डब्ल्यूटीओ और डब्ल्यूईएफ जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं। यह उस समर्पित प्रयास का परिणाम है, जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों, योजनाओं और नागरिकों की सहभागिता से संभव हुआ है। मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, हर भारतीय की है। हमारे सामने आज जो उपलब्धियाँ हैं, वे उस संकल्प का परिणाम हैं जिसने हर गाँव, हर परिवार और हर नागरिक को जोड़ा। भारत आज एक विकल्प नहीं, एक प्रेरणा है, आत्मनिर्भरता की, समावेशिता की और वैश्विक नेतृत्व की। जब हम अमृतकाल में विकसित भारत @2047 की परिकल्पना करते हैं, तो वह केवल एक सपना नहीं, एक साझा संकल्प है और मुझे विश्वास है इस संकल्प की सिद्धि का समय अब दूर नहीं।

(वस्त्रत मंत्री, भारत सरकार)

गौसेवा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर रही : सीवीओ डॉ. आभा दत्त

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) डॉ. आभा दत्त अपने उत्कृष्ट कार्यों और गौवंश के प्रति समर्पण के लिए चर्चा में हैं। उनकी अगुवाई में जिले की गौशालाओं में गौवंश की देखभाल और संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास न केवल सराहनीय हैं, बल्कि अन्य जिलों के लिए भी एक मिसाल बन रहे हैं। डॉ. आभा दत्त ने पशुपालन विभाग के माध्यम से गौवंश के कल्याण, स्वास्थ्य सुधार और गौशालाओं के प्रबंधन में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो गौसेवा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर रहे हैं। डॉ. आभा दत्त की पहल पर अमरोहा जिले की गौशालाओं में गौवंश के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। गायों और अन्य गौवंश के स्वास्थ्य की नियमित जांच, टीकाकरण, और समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गौशालाओं में स्वच्छता और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि गौवंश स्वस्थ और सशक्त रह सकें। उनकी देखरेख में गौशालाओं में चारे की उपलब्धता और गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, जिससे गौवंश को संतुलित आहार मिल रहा है। डॉ. आभा दत्त का मानना है कि गौवंश केवल पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग हैं। इसलिए, उन्होंने गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाओं को लागू करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे गौशालाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके, स्थानीय किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उनके नेतृत्व में जिले में गौवंश की गणना और उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से संरक्षित करने की पहल भी शुरू की गई है। जिलाधिकारी महोदया के मार्गदर्शन में सभी गौ आश्रय स्थलों में CCTV cameras लगाए जा रहे हैं जिस से BDO और पशु चिकित्सा अधिकारी अपने अपने क्षेत्र के गौ आश्रय स्थलों में निगरानी रख सके तथा यह सुनिश्चित कर सकें कि संरक्षित गौ वंश को दिन में 2 बार मानकों के अनुरूप आहार और पानी दिया जा रहा है. इससे गौवंश की स्थिति पर नजर रखना और समय पर आवश्यक कदम उठाना आसान हो गया है। इसके अलावा, डॉ. आभा दत्त ने गौशाला संचालकों और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाए हैं, जिनमें गौवंश के महत्व, उनकी देखभाल, और गौशालाओं के संचालन से संबंधित जानकारी दी जाती है। इन अभियानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में गौसेवा के प्रति लोगों का उत्साह बढ़ाया है। डॉ. आभा दत्त के प्रयासों से अमरोहा जिले की गौशालाएं न केवल गौवंश के लिए एक सुरक्षित आश्रय बन रही हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का माध्यम भी बन रही हैं। उनके कार्यों की प्रशंसा न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी हो रही है। उनकी यह पहल गौवंश संरक्षण और पशु कल्याण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. आभा दत्त का यह समर्पण और नेतृत्व दशार्ता है कि सही दिशा में किए गए प्रयास न केवल गौवंश के जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज के लिए भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उनकी इस पहल से प्रेरित होकर अन्य अधिकारी और समुदाय भी गौसेवा के लिए आगे आ रहे हैं, जो एक समृद्ध और संवेदनशील समाज की नींव रख रहा है।

सपा कार्यकताओं ने कैंप कार्यालय पर किया बैठक का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की बैठक कैम्प कार्यालय बहजोई पर सम्पन्न हुई बैठक में गोंड आदिवासी महारानी मण्डला जबलपुर की रानी दुर्गावती जी का आज 461 बा बलिदान दिवस मनाया गया। जनपद सम्भल कैम्प कार्यालय अशोक राणा आफिस डी एम कार्यालय के पास बहजोई में बैठक का आयोजन किया गया बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी एवं पदाधिकारी कार्यकताओं ने महारानी दुर्गावती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि भारत के इतिहास में रानी दुर्गावती का नाम उन वीरांगना में शामिल हैं जिन्होंने अपने सम्राज्य की रक्षा की अपनी मतभुमि को बचाने के लिए जान की बाजी लगा दी जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा रानी दुर्गावती गोंडवाना सम्राज्य की वीर शासिका ने 51 युद्ध में विजय प्राप्त की बैठक को संबोधित विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव लड्डन मियां ने भी किया अशोक राणा एडवोकेट शोभित कुमार काका सद्दाम कुरेशी चेतन गुप्ता कमल शर्मा लवकुमार यादव जितेंद्र जाटव अशोक कुमार गुड्डू वकील साहब रामनिवास दिवाकर पप्पू शर्मा मनोज शर्मा बब्बन मोर्या शारदा यादव रेशम वती डा होराम सिंह जाटव रवि यादव हबीब अहमद एस पी विलाल आदि लोग मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मनाई गई प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 60 वीं पुण्यतिथि

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के मोहल्ला कोट में स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों द्वारा में प्रभु संदेश भवन पर आज दिनांक 24 जून 2025 दिन मंगलवार को ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 60 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। प्रातः 10:00 बजे से सामूहिक योग के बाद संस्था की निमित्त बहनों द्वारा तैयार किया गया भोग दादी जी को स्वीकार कराया गया। धनौरा से पधारी संस्था की जिला प्रभारी मनीषा बहन द्वारा मुरली क्लास कराने के बाद आदरणीय मम्मा जी के जीवन वृत्त एवं उनकी विशेषताओं पर विस्तृत चर्चा की गई। संस्था की निमित्त बहन बी.के.अर्चना, योगिता, विनीता, प्रवेश, सुनीता, उमा, संतोष आदि के अतिरिक्त उमेश, होरीलाल, दिनेश, लवली, करन सिंह, सतीश, पुरुषोत्तम, राजवीर, मुकुल, तेजपाल, भरत आदि भाई तथा प्रेरणा, नीता, नीलम, मंजू, भारती, सरोज, वीरवती, सीमा, माया आदि बहनें कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 160 भाई बहनों द्वारा दिवंगत आत्मा को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।
अंत में सभी भाई बहनों ने योग युक्त होकर ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

स्कूलों के मर्ज करने का प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया विरोध

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की एक बैठक नगर के राजपूत कॉलोनी में ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर होमपाल सिंह चौहान के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने की एवं संचालन जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने किया। बैठक में परिषदीय स्कूलों के मर्ज करने का प्राथमिक शिक्षक संघ ने खुलकर विरोध किया।और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की गई कि परिषदीय स्कूलों को मर्ज करने के आदेश को तत्काल निरस्त किया जाएं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि शासन द्वारा आदेश जारी कर कम छात्र संख्या वाले परिषदीय स्कूलों को निकटवर्ती स्कूलों में मर्ज करने का निर्णय लिया है जिसका उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विरोध प्रकट करता है। उन्होंने बताया कि जनपद में 10 छात्र संख्या तक नामांकित परिषदीय स्कूलों को बंद कर दूसरे स्कूलों में मर्ज करने का आदेश जारी किया गया है जिसके चलते जनपद में सैकड़ो स्कूलों में ताला लग जाएगा और उस गांव के गरीब बच्चों को 2 से 3 किलोमीटर दूर दूसरे गांव में पढ़ने के लिए जाना पड़ेगा। जिस कारण गरीब अभिभावकों को अपने बच्चें पढ़ाना कठिन हो जाएगा। इसलिए उन्होंने इस आदेश का विरोध करते हुए उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी से जनहित में इस आदेश को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह आरटीआई का खुला उल्लंघन भी है।अधिनियम के अनुसार हर एक किलोमीटर में परिषदीय विद्यालय होना चाहिए लेकिन स्कूल मर्ज होने से दूरी बढ़ जाएगी और गांव के गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता में शिक्षा एवं स्वास्थ्य होने चाहिए लेकिन सरकार स्कूल बंद कर गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित करना चाहती है जो उनके साथ अन्याय है। उन्होंने इस आदेश को सरकार से जनहित में रद्द करने की मांग करते हुए परिषदीय विद्यालयों को मर्ज न करने की मांग उठाई। कहा कि परिषदीय विद्यालयों में गरीब अभिभावकों के बच्चे ही शिक्षा ग्रहण करते हैं। उनके पास दूसरे गांव में जाने के लिए यातायात के साधन भी नहीं है। उन्होंने दो-टूक कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्राथमिक स्कूलों को मर्ज करने के निर्णय का पुरजोर विरोध करता है और अगर धरने प्रदर्शन की आवश्यकता हुई तो उससे भी पीछे नहीं हटेगा। इस संबंध में शीघ्र ही अग्रिम रणनीति बनाई जाएगी। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर होमपाल सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह, ब्लॉक मंत्री इरशाद अली, ब्लॉक मंत्री प्रदीप भाटी, सोम सिंह, विनोद कुमार गौतम,देवेंद्र शर्मा, महताबुद्दीन, गौरव नागर, सचिन गुप्ता, गौतम सिंह, योगराज सिंह,सर्वेश चौहान, गजेन्द्र ढ़ाका,दलीप तोड़ीवाल, करणवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

गंगा धाम तिगरी में जलस्तर बढ़ा, पुरोहितों की झोपड़ियां जलमग्न

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- उत्तराखंड और हरिद्वार में मूसलाधार बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में दिखने लगा है।जिसका असर गंगा धाम तिगरी में भी देखने को मिला, जहां गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार शाम को तिगरी घाट पर नदी ने रौद्र रूप दिखाया। घाट पर स्थित पुरोहितों की कई झोपड़ियां डूब गईं।तख्त और ठेले पानी में बहने लगे।स्थानीय लोगों ने बहती झोपड़ियों और सामान को बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ झोपड़ियां पूरी तरह जलमग्न हो गईं। घाट किनारे रहने वाले पुरोहितों में दहशत है। गंगा लगातार घाट की ओर बढ़ रही है। "हर साल ऐसी आफत आती है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं] गंगा घाट के पुरोहित पंडित दिनेश कुमार शर्मा ने बताया, ह्लसुबह से ही पानी बढ़ने लगा था, लेकिन शाम होते-होते हालात बेकाबू हो गए। हरिद्वार से छोड़े गए पानी का असर सीधे तिगरी घाट पर देखने को मिल रहा है। कुछ झोपड़ियां और तख्त बह गए हैं। अधिकारी आए थे, अलर्ट रहने को कहकर चले गए।गंगा के बढ़ते जलस्तर से हसनपुर और धनौरा तहसील के 50 से अधिक गांवों पर खतरा मंडराने लगा है। ये गांव हर साल बाढ़ की चपेट में आते हैं। खेतों में चार-चार फीट तक पानी भर जाता है और गांवों की सड़कें नदियों में तब्दील हो जाती हैं। ग्रामीणों को महीनों तक जलजमाव और आवागमन की दिक्कतों से जूझना पड़ता है।

बाइक सवार चोरों ने दुकानदार से की मोबाइल छीनने की कोशिश

विरोध करने पर किया जानलेवा हमला,दुकान में रखी 30 हजार की नगदी लेकर हुए फरार

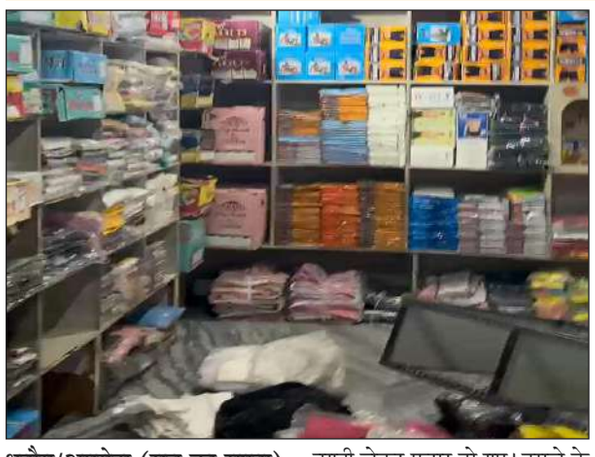

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- दो बाइक सवार चोरों ने दुकान के बाहर बैठकर मोबाइल चला रहे दुकानदार से पहले तो मोबाइल चलने की कोशिश की जिसका दुकानदार ने विरोध किया तो बाइक सवार चोरों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया और उसकी दुकान में राखी ड्ड30000 की नगदी लेकर फरार हो गए। हमले के दौरान दुकानदार घायल होगा जिसने खाने में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। ज्ञात रहे कि मामला मंडी धनौरा के मोहल्ला शिवपुरी का है जहां लेखराज सिंह का परिवार रहता है। उनका पुत्र रिंकू चामुंडा मोहल्ले में रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाता है। सोमवार की देर रात रिंकू अपनी दुकान के बाहर बैठकर मोबाइल चला रहा था। इस दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और रिंकू का मोबाइल छीनकर भागने लगे,रिंकू ने इसका विरोध किया तो मारपीट हो गई, दबंग युवकों ने रिंकू पर जानलेवा हमला कर दिया और दुकान में रखी 30 हजार की नगदी लूट कर मौके से फरार हो गए। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई, सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी, इस घटना में रिंकू बुरी तरह घायल हो गया। पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संभल(सब का सपना):- मुकदमे में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी व थाना प्रभारी थाना हयातनगर संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस टीम द्वारा 29 मई से चल रहे वांछित अभियुक्त जसवीर पुत्र रामनिवास ग्राम मिलक सैजना उर्फ ओढो की मढेया थाना हयातनगर जनपद सम्भल (यादव) उम्र करीब 22 वर्ष को ग्राम ओढो की मढेया को जाने वाली पुलिया के पास से समय करीब 08:30 बजे गिरफ्तार किया गया । खबर लेकर जाने तक गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय पेश करने की तैयारी की जा रही थी।

जिला सूचना अधिकारी सुभाष चंद्र ने अपने कर्तव्यों का पालन बखूबी निभाया

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में जिला सूचना विभाग में कार्यरत जिला सूचना अधिकारी सुभाष चंद्र का जनपद उन्नाव में स्थांतरण हो जाने पर जनपद के पत्रकार बंधुओ द्वारा नगर पालिका परिषद जनपद अमरोहा के सभागार में शाल भेट कर फूलमालाओं के साथ विदाई समारोह किया। जिला सूचना अधिकारी सुभाष चंद्र ने यहां अपनी कार्यशैली एव व्यवहार से सभी का दिल जीत लिया। सुभाष चंद्र अमरोहा लगभग 09 वर्षों तक रहे। सुभाष चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि बस मैने अपने कर्तव्यों का पालन किया मुझे मेरे अधिकारियों द्वारा जो भी काम सौंपा गया मैने उसे पूरे मनोयोग से किया। उन्होंने कहा कि अमरोहा के पत्रकार बहुत अच्छे है मुझे पत्रकार साथियों से भरपूर प्यार स्नेह और सहयोग मिला। इस प्यार को मैं जीवन भर नहीं भूलूंगा। कहा कि कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा मुझे भरपूर सहयोग मिले इन्हे जो भी काम सौपा गया इन्होंने उसे अपना कर्तव्य मानकर पूरा किया। सभी पत्रकार बंधुओ ने जिला सूचना अधिकारी सुभाष चंद्र के उज्जवल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह का संचालन डॉक्टर नरेंद्र सिंह जी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर सभी पत्रकार बंधुओ ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।। इस अवसर पर जनपद के वरिष्ठ एवं सम्मानित पत्रकार बंधुओ के साथ जिला सूचना कार्यालय के समस्त स्टाफ ने जिला सूचना अधिकारी सुभाष चंद्र को फूलमालाओं के साथ विदाई दी।

ग्राम पंचायत गोहरा आलमगीरपुर में जिलाधिकारी ने जन चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

ग्राम वासियों को नहीं मिल रहा है सरकारी योजनाओं का लाभ: जिलाधिकारी

अधिकारियों को दिए निर्देश गांव में पात्र व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में मिले शत प्रतिशत लाभ: अभिषेक पांडेय
जिलाधिकारी ने ग्राम सचिव को कड़े निर्देश दिए की ग्रामीणों द्वारा जो भी शिकायत की जा रही है यदि उसका दो दिनों में समाधान नहीं किया जाता तो आपको सस्पेंड कर दिया जाएगा

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के द्वारा जन चौपाल का विकासखंड सिम्भावली के ग्राम पंचायत गोहरा आलमगीरपुर में आयोजन किया गया। जन चौपाल के दौरान शिकायतकर्ता आसमा ने बताया कि मुझे व मेरे परिवार में किसी को भी आज तक सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में कोई भी लाभ नहीं मिला है उन्होंने आवासीय योजना ग्रामीण के तहत मकान उपलब्ध कराए जाने हेतु जिलाधिकारी से अनुरोध किया। जिला अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए आवासीय योजना ग्रामीण के तहत जांच करते हुए योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले पीड़ितों की जो भी समस्या हो उसका जल्द से जल्द निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इसी दौरान शिकायतकर्ता किरण देवी ने बताया निराश्रित पेंशन योजना के तहत मुझे अभी तक कोई लाभ प्राप्त नहीं हुआ है जबकि मेरे पति की सात वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है परंतु अभी तक मेरी पेंशन चालू नहीं की गई है। जिलाधिकारी को एक वृद्ध महिला द्वारा जानकारी दी गई की मेरी आयु 60 वर्ष पूर्ण हो चुकी है परंतु अभी तक वृद्धा पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है जन चौपाल में एक समस्या दिव्यांग की आई जिसमें दिव्यांग अनीता देवी पति ओंकार ने बताया कि मैं जन्म से विकलांग हूं तथा मैंने इस कई बार ग्राम सचिव से वार्ता की पर मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई है और नहीं मेरी अभी तक पेंशन बन पाई है। जिलाधिकारी ने ग्राम सचिव को निर्देश दिए कि यदि 48 घंटे के अंदर ग्रामीणों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करवा पाते हैं तो आपकी पोस्ट बनी रहेगी वरना आपको सस्पेंड कर दिया जाएगा। इसी के साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिन लोगों की पेंशन रुक गई है या अभी तक चालू नहीं हुई है उनका गुणवत्तापूर्ण निरीक्षण कराकर दो दिनों के अंदर पेंशन चालू कर दी जाए। जिला अधिकारी ने ग्राम सचिव को यह भी निर्देश दिए की जो भी महिलाएं गांव में साफ सफाई कर रही हैं उन्हें स्वयं सहायता समूह की तरफ से जो भी वेतन दिया जा रहा है उसमें एक हजार रुपए की बढ़ोतरी उन महिलाओं की कार्य प्रणाली को देखते हुए की जाए । जिलाधिकारी ने चकबंदी को लेकर आई समस्या में संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए जल्द से जल्द चकबंदी की समस्या का निस्तारण कराया जाए। चकबंदी अधिकारी ने अवगत कराया की गांव में चकबंदी चल रही है पूर्व में कोई भी चकबंदी नहीं की गई है जल्द ही समस्या का निस्तारण कर दिया जाएगा ' ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत में जो पंचायत भवन बना हुआ है उसमें कोई भी पंचायत सहायक उपलब्ध नहीं है इस पर जिलाधिकारी ने पंचायत भवन हेतु जल्द से जल्द पंचायत सहायक की तैनाती करने की मांग करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए। इस दौरान रीता देवी पति महेंद्र द्वारा शिकायत की गई कि उनके दो बच्चे हैं दोनों ही विकलांग है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द जांच करते हुए इनका विकलांग प्रमाण पत्र जारी करना सुनिश्चित करें । जन चौपाल में विद्युत की समस्या को लेकर छोटू पुत्र जयप्रकाश ने बताया कि हमारी छत पर बिजली का खंभा गिर पड़ा है जिसकी कई बार मैंने एप्लीकेशन के माध्यम से शिकायत की परंतु अभी तक कोई भी सुनवाई नहीं हुई है। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द समस्या का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जन चौपाल में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीणों द्वारा जो भी समस्याएं बताई गई है उनमें गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी , खंड विकास अधिकारी एवं ग्राम सचिव को निर्देश दिए कि गांव में साफ सफाई, तालाब की साफ सफाई, पानी की टंकी का मरम्मत कार्य व जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही बरतने पर एसओसी चकबंदी के पेशकार को सस्पेंड करने हेतु संबंधित को निर्देश दिए। जन चौपाल के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत गोहरा में 2 हेक्टेयर में बने हुए तालाब एवं तारा पशु आहार का भी निरीक्षण किया गया। जन चौपाल के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्राम प्रधान एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शादी अनुदान के लाभ पाने के लिए आवेदन पत्र की हार्ड कांपी जमा करना अनिवार्य

बहजोई/संभल (सब का सपना):- दिलीप कुमार जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया, कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब पुत्रियों को शादी अनुदान योजना का लाभ देने के लिए शासन द्वारा पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा दी गई है। ऐसा गरीब परिवार जिनकी परिवारिक आय शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में रु० 100000.00 प्रतिवर्ष से अधिक न हो, इस योजना में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन है. जिसमें आवेदक किसी भी नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर विभागीय पोर्टल/वेबसाइट http://shadianudan.upsdc.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय आवेदक को ऑनलाइन आवेदन के साथ (जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण पत्र, पुत्री की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष, शादी का कार्ड, आधार कार्ड एवं आधार से लिंक बैंक पासबुक) अपलोड कर एक प्रति आवेदक द्वारा समस्त अभिलेखों सहित तीन दिन में सम्बन्धित विकास खण्ड/तहसील में जमा किया जाना अनिवार्य है, ताकि उस पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सम्बन्धित कार्यालय द्वारा की जा सके।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो कैंटीन कर्मी को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

नोएडा। फेज तीन थाना क्षेत्र के सेक्टर 68 में सोमवार देर रात बाइक सवार दो कैंटीन कर्मी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। दोनों को जिला अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय दोनों सेक्टर 70 से दूध लेकर कैंटीन जा रहे थे। पुलिस को मौके से हेलमेट नहीं मिले, केवल क्षतिग्रस्त बाइक मिली। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान मथुरा के रहने वाले 21 वर्षीय विकास और कन्नौज के रहने वाले 20 वर्षीय प्रियांशु के रूप में हुई है।पुलिस ने मामले में विकास के चचेरे भाई रंजीत कुमार की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। रंजीत ने बताया कि उनका भाई विकास करीब दो साल से वाजिदपुर में रहकर सेक्टर-63 की डिक्सन फैक्ट्री की एक कैंटीन में नौकरी कर रहा था। प्रियांशु भी उसके साथ काम करता था। दोनों की सोमवार को नाइट शिफ्ट थी।

जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) समिति की बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें आबकारी विभाग, एनसीबी, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, खाद्य सुरक्षा, औषधि विभाग, क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो आदि प्रमुख हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को रोकने के लिए विभागों के बीच समन्वय बढ़ाना और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। बैठक में विभागों द्वारा गत माह में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित दवाइयो की फैक्ट्री व मेडिकल स्टोर पर निरंतर निरीक्षण करते हुए अधिकारी दवाइयो में नशीले पदार्थ की मिलावट को रोकने हेतु जांच करते रहें। जिलाधिकारी ने औषधि विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा अगर कोई भी मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के पाया जाता है तो उसे तत्काल सील किया जाए तथा उस पर कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद में जो भी मेडिकल स्टोर संचालित है उनके बाहर एक बोर्ड लगा होना अनिवार्य है जिस पर लिखा हो कि हमारे यहां किसी भी प्रकार की नशीली दवाइयां व ड्रग्स नहीं मिलते हैं तथा टोल फ्री नंबर भी अनिवार्य रूप से लिखा हो। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए तथा उन्हें जेल भी भेजा जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य आगामी कांवड़ यात्रा से पूर्व हो जाना चाहिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक सहित सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मदरसे के छात्र से दुष्कर्म : बरेली में हैदरी दल का सदस्य गिरफ्तार, फोन में मिले 40 अश्लील वीडियो

बरेली: बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र में नबी हसन नाम के युवक को गिरफ्तार किया गया। उसने मदरसे में पढ़ने वाले एक छात्र का मोबाइल फोन लेकर उसके नंबर से इंस्टाग्राम आईडी बनाई, जिसमें हैदरी दल 25 बरेली नाम से एक ग्रुप बनाया। आरोप है कि इसके जरिए वह सामाजिक धार्मिक उन्माद फैलाने वाली पोस्ट लोगों को भेज कर गलत प्रचार प्रसार कर रहा था। आरोपी ने मदरसे के ही एक छात्र से कई बार दुष्कर्म किया। उसका अश्लील वीडियो भी बनाया। आरोपी के फोन में 40 अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए। उसे जेल भेज दिया गया है। फरीदपुर क्षेत्र के गांव पिपरथरा निवासी नबी हसन पुत्र शकील अहमद वर्तमान में शाहजहांपुर के एक मदरसे में हाफिज की पढ़ाई कर रहा था। वह हैदरी दल का सदस्य बताया जा रहा है। उसने साथ पढ़ने वाले सीतापुर निवासी किशोर का मोबाइल फोन चुपके से ले लिया। उसके फोन नंबर से इंस्टाग्राम पर आईडी बनाई, जिसमें हैदरी दल 25 नाम बरेली से एक ग्रुप बनाकर भड़काऊ पोस्ट करने लगा। पीड़ित किशोर को इसकी जानकारी हुई तो उसने सोमवार शाम फरीदपुर थाने में पहुंचकर आरोपी नबी हसन के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। छात्र से कई बार किया दुष्कर्म शाहजहांपुर का रहने वाला 13 वर्षीय किशोर भी मदरसे में पढ़ता है। इसने आरोप लगाया है कि नबी हसन ने उसके साथ कई बार कुकर्म किया। आरोपी फरीदपुर स्थित अपने मकान पर भी किशोर को कई बार लेकर आया। यहां उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके अश्लील वीडियो बनाए। किसी को बताने पर आरोपी ने वीडियो वायरल करने व पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के पिता ने दर्ज कराया मुकदमा आरोपी नबी हसन की करतूतों से परेशान पीड़ित किशोर ने अपने परिजनों को जानकारी दी। किशोर के पिता ने भी सोमवार देर रात आरोपी नबी हसन के खिलाफ फरीदपुर थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने नबी हसन को बीसलपुर रोड पर धर्म कांटे के पास साठा पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस की जांच के मुताबिक आरोपी नबी हसन मदरसे में रहकर लोगों का चोरी-चुपके अश्लील वीडियो बना लेता था। उसके फोन में 40 अश्लील वीडियो मिले हैं। आरोपी लोगों की अश्लील वीडियो बनाकर फिर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था। वह लोगों को डरा धमकाकर उनका ब्रेनवॉश करता था। वह एक बड़ा समूह तैयार करना चाहता था।

वढः शिकोहाबाद में दर्दनाक हादसा...कुएं में मोबाइल निकालने उतरे चचेरे भाइयों समेत तीन की मौत, मचा कोहराम

फिरोजाबादः शिकोहाबाद के गांव नगला पोहपी में मंगलवार को करीब 50 फीट गहरे सूखे कुएं में उतरे चाचा और दो भतीजों की दम घुटने से मौत हो गई। हादसा कुएं में गिरे मोबाइल फोन को निकालने के चक्कर में हुआ। मृतकों की पहचान चाचा चन्द्रवीर (28) और भतीजे अजय कुमार (25) व ध्रुव कुमार (22) के रूप में हुई है। गहरे कुएं में ऑक्सीजन के अभाव में मीथेन गैस बनी रही थी। तीनों कुएं में बारी-बारी से घुसे और बेहोश हो गए। सूचना पर प्रशासनिक अमला व बचाव दल मौके पर पहुंचा और चार घंटे से अधिक समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों को बाहर निकाला। सभी को संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना शिकोहाबाद के गांव नगला पोहपी निवासी चचेरे भाई ध्रुव कुमार व अजय कुमार मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खेत में बने कुएं के पास गए थे। ग्रामीणों ने बताया, अजय अपने ससुर के फोन से कहीं बात कर रहा था। अचानक फोन उसके हाथ से छूटकर कुएं में गिर गया। इसके बाद सबसे पहले ध्रुव फोन निकालने के लिए रस्सी के सहारे कुएं के अंदर उतरा, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आया। इसी बीच अजय के चाचा चंद्रवीर आ गए। ध्रुव को बाहर निकालने के लिए अजय रस्सी पकड़कर अंदर गया और वह भी बेहोश हो गया। दोनों भतीजों के बाहर न निकलने पर चंद्रवीर रस्सी पकड़कर कुएं में उतरे और वह भी ऑक्सीजन के अभाव और मीथेन के प्रभाव से बेहोश हो गए। काफी देर तक जब तीनों घर नहीं पहुंचे तो परिजन ढूंढने लगे। सूचना पर जब वे कुएं पर पहुंचे और अंदर झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। चाचा-भतीजे तीनों अंदर बेहोश पड़े थे। सूचना पर तत्काल ही फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, मक्खनपुर, मटसेना, जसराना समेत कई थानों का पुलिस, मेडिकल टीम, एडीएम विशु राजा, एसडीएम विकल्प, डॉ. गजेन्द्रपाल सिंह, सीओ प्रवीण कुमार तिवारी, इंस्पेक्टर शिकोहाबाद अनुज राणा अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। फायर ब्रिगेड प्रभारी बृजेश कुमार भी टीम के आ गए और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। फिरोजाबाद के अपर जिलाधिकारी विशु राजा ने बताया कि दोनों युवक कुएं के पास बैठकर मोबाइल में गेम खेल रहे थे। इसी दौरान मोबाइल कुएं में गिर गया।

फजीर्वाड़ा कर अमीन ने तीन साल अधिक नौकरी की, अब 8.50 लाख की होगी रिकवरी; मिलीभगत का ऐसे हुआ खुलासा

अलीगढ़: अलीगढ़ के अतरौली तहसील में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सीजनल संग्रह अमीन रमेश चंद्र अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद भी लगभग तीन साल तक नौकरी करता रहा। शिकायत के बाद हुई जांच में फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ है। अब उनसे 8.50 लाख रुपये की रिकवरी तय की गई है। मामले में एक अन्य नियमित संग्रह अमीन सोमदत्त शर्मा को भी निलंबित कर दिया गया है। एसडीएम अतरौली मो. अमान के अनुसार हाल ही में एक सीजनल संग्रह अमीन रमेश चंद्र द्वारा शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में हेराफेरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। इस पर तहसील स्तर से मामले की जांच की गई। जांच में पाया गया कि सीजनल संग्रह अमीन रमेश चंद्र के हाई स्कूल के अंक पत्र में उनकी वास्तविक जन्मतिथि 2 अक्तूबर 1962 दर्ज थी। इस हिसाब से उन्हें अक्तूबर 2022 में ही सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने अंक पत्र में फजीर्वाड़ा कर अपनी जन्मतिथि को 1970 कर दिया और 19 मई 2025 तक लगातार सेवाएं देते रहे। मिलीभगत का खुलासा और कार्रवाई इस मामले की जांच में नियमित संग्रह अमीन सोमदत्त शर्मा की भी मिलीभगत सामने आई। सोमदत्त शर्मा तहसील स्तर पर एडब्ल्यूबीएन (वसूली बाबू) का कार्य देख रहे थे। आरोप है कि उन्होंने ही रमेश चंद्र की अवैध रूप से नियुक्ति कराकर 2022 से 2025 तक उनसे काम करवाया। इसके एवज में सोमदत्त शर्मा कथित तौर पर रमेश चंद्र से 15 हजार रुपये प्रति महीने लेते थे। उप-जिलाधिकारी ने अब सीजनल संग्रह अमीन रमेश चंद्र से गलत तरीके से लिए गए वेतन की रिकवरी के आदेश दिए हैं। 32 हजार रुपये प्रति महीने के हिसाब से कुल साढ़े आठ लाख रुपये की राशि की रिकवरी के लिए तय की गई है।

विद्यालय पेयरिंग/मर्ज के विरोध में भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ के शिक्षकों ने एबीएसए को सोपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जनपद अमरोहा में विद्यालय पेयरिंग/मर्ज के विरोध में सोमवार को महानिदेशक स्कूल बेसिक शिक्षा को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से जिला अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन अमरोहा डा.चंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में एक ज्ञापन प्रेषित किया गया। डॉ. चंद्रपाल सिंह ने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा विद्यालय पेयरिंग /मर्ज प्रक्रिया को किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा क्योंकि ऐसा करने से जिले में हजारों बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन युवा जिला अध्यक्ष मोहन बेनीवाल, भारतीय किसान यूनियन ब्लाक अध्यक्ष जोया मुकेश चौधरी, ध्रुव चौधरी, भारतीय किसान यूनियन शिक्षक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष राकेश चहल, जिला संरक्षक पुरजीत सिंह, तेजपाल सिंह, ज्योति सिंह,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप गौतम, यतेंद्र देओल, विकास चौहान, सुशील नागर, जमशेद शरीफ, सत्यपाल सिंह, अजय बामल, विजय सिंह, मर्सल हुसैन, हेमराज कोहली, जितेंद्र कुमार,अनीस अहमद, शमीम अहमद, हरीराज सिंह, संजीव कुमार, नौबहर सिंह, आदि सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

पालिका अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर किशनगढ़ वार्ड में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की पालिका परिषद द्वारा नगर के किशनगढ़ वार्ड मे नाले पर हुए अतिक्रमण को अभियान चलाकर हटाया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की शासन द्वारा निर्देशित किया गया था की नगरीय निकायों मे वर्षा ऋतु से पूर्व नगर के समस्त छोटे बड़े नालो / नालियों की सफाई करवा दी जाये जिससे वर्षा के समय जलभराव न हो सके। शासन के निदेर्शों के अनुपालन मे पालिका द्वारा मानसून से पूर्व ही नगर के समस्त छोटे बड़े नालो की सफाई करवा दी गयी हैं, तथा वर्षा के मौसम मे निरंतर नालो की सफाई करते रहने के आदेश दिए गए हैं। विभिन्न माध्यमो से पालिका को शिकायत प्राप्त हो रही थी की नगर के नौगवां रोड से किशन गढ़ वार्ड को होते हुए श्री वासुदेव तीर्थ की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थानीय भवन स्वामियों, दुकानदारों द्वारा अपने भवन व दुकान आदि के आगे निकलने वाले नालो पर स्थायी व अस्थाई अतिक्रमण कर लिया हैं जिससे वर्षा के समय नालो मे जल का प्रवाह अवरुद्ध होने के कारण जलभराव हो रहा हैं। उल्लेखनीय हैं की पालिका अधिशासी अधिकारी ने बीते दिन पालिका मे अधीनस्थ अधिकारियो, कर्मचारियों की बैठक कर निर्देश दिए थे की वर्षा के समय कही भी जल भराव की शिकायत न प्राप्त हो इसके लिए नालो की निरंतर सफाई करवाते रहे, नालो पर हुए किसी भी प्रकार के स्थायी व अस्थाई अतिक्रमण को चिन्हित कर तत्काल हटाया जाये जिससे नगर को जल भराव से मुक्त रखा जा सके। नगर के वार्ड किशन गढ़ अंतर्गत सरकारी नाले एवं नाले से आगे हुए अतिक्रमण की शिकायत पर स्थलीय निरीक्षण करवा कर पालिका द्वारा नाले पर किये अतिक्रमण पर निशान लगवा कर भवन स्वामियों को उसे स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। भवन स्वामियों द्वारा उनके किये अतिक्रमण को स्वयं न हटाने की दशा मे आज पालिका द्वार पालिका के अवर अभियंता रोहन राजा पटेल के नेतृत्व मे आज अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत सरकारी नाले नाली पर हुए स्थायी एवं अस्थाई अतिक्रमण को पालिका संसाधनों से हटवाया गया। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा नगर की जनता से अपील की गयी हैं की अपने घरों का कूड़ा आपके घर/मोहल्ले मे आने वाले पालिका के डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन मे ही डालें,नाली अथवा नाले मे अपने घरों का कूड़ा ना डाले। सरकारी नाले, नाली, मार्ग पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण ना करें, नगर को सुन्दर व स्वच्छ बनाने मे पालिका का सहयोग करें।

दिल्ली एम्स परिसर में नई सीवर लाइन बिछाना जरूरी, पेश करें रिपोर्ट: हाईकोर्ट ने कहा

नई दिल्ली। ग्रीन पार्क एक्सटेंशन और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव को नियंत्रित करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परिसर में नई सीवर लाइन बिछाने का नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को निर्देश दिया है। एनडीएमसी को मामले में पक्षकार बनाते हुए न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने एम्स के भीतर एनडीएमसी की भूमि उपलब्ध कराने की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। अदालत ने उक्त निर्देश ग्रीन पार्क एक्सटेंशन और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को लेकर याचिकाकर्ता शैलेंद्र भटनागर द्वारा दायर याचिका पर विचार करते हुए दिया। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि डीजेबी के मुख्य अभियंता द्वारा एम्स, एमसीडी, एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली सरकार के वन विभाग के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के साथ बैठक की जाए, ताकि इसके कारण पेड़ों को उखाड़ने और फिर से लगाने के लिए जरूरी मंजूरी ली जा सके। सुनवाई के दौरान एम्स ने नई सीवर लाइन बिछाने के प्रस्ताव का इस आधार पर विरोध किया था कि यह लाइन एनडीएमसी के स्वामित्व वाली भूमि पर बिछाई जानी प्रस्तावित है। एम्स ने अपने परिसर में सीवर लाइन बिछाने के प्रस्तावित प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई थी, जिसमें तर्क दिया गया था

कि संबंधित क्षेत्र में जलभराव मौजूदा सीवर बुनियादी ढांचे में किसी भी अपर्याप्तता के कारण नहीं था। यह भी कहा गया कि संबंधित क्षेत्रों में जलभराव का मुख्य कारण वर्षा जल निकासी प्रणाली का अप्रभावी संचालन था। पीठ को बताया गया कि दिल्ली में हाल ही में हुई बारिश के दौरान दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा सीवर लाइनों की लगातार और निरंतर सफाई के कारण ग्रीन पार्क एक्सटेंशन क्षेत्र में जलभराव नहीं हुआ है। इसके अलावा, डीजेबी अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि एम्स में बिछाई जाने वाली सीवर लाइन 200 मीटर से अधिक लंबी नहीं होगी और इसके लिए एम्स परिसर में केवल 130 मीटर भूमि की आवश्यकता होगी। इस पर पीठ ने कहा कि उपर्युक्त परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों में जलभराव को रोकने के लिए एम्स परिसर में सीवर लाइन बिछाने की आवश्यकता होगी। साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि वर्तमान मानसून सीजन में डीजेबी और एनडीएमसी नियमित आधार पर सीवर लाइन और बरसाती नाले दोनों की पूरी तरह से सफाई सुनिश्चित करेंगे ताकि संबंधित क्षेत्रों में किसी भी तरह के जलभराव को रोका जा सके। सीवर लाइन के डिजाइन का प्रस्ताव भी करें पेश पीठ ने डीजेबी के मुख्य अभियंता और एमसीडी आयुक्त उपरोक्त अधिकारियों के परामर्श से सीवर लाइन और बरसाती नाले की लाइन बिछाने की योजना पर एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में ग्रीन पार्क एक्सटेंशन से एम्स परिसर के साथ अरबिंदो मार्ग से जोड़ने से संबंधित सीवर लाइन के डिजाइन का प्रस्ताव भी पेश किया जाए। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि एम्स के समन्वय से ही यह रिपोर्ट पेश की जाए ताकि सीवर लाइन बिछाने के दौरान एम्स आवासीय परिसर में रहने वाले निवासियों को कम से कम परेशानी हो। मामले की सुनवाई अब 28 जुलाई को होगी।

दिल्ली में देश का पहला माइक्रो ग्रिड तैयार, कम आबादी वाले क्षेत्रों तक बिजली पहुंचाने का खर्च होगा कम

नई दिल्ली: टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) ने देश का पहला पावर वोल्टेज ट्रांसफार्मर (पीवीटी) माइक्रो ग्रिड तैयार किया है। इससे ट्रांसमिशन लाइन से सीधे हाई वोल्टेज पावर को कम वोल्टेज पावर में बदल कर उपभोक्ताओं को उनके घरों तक बिजली उपलब्ध होगी। परंपरागत तरीके से ट्रांसमिशन लाइन से ग्रिड और उसके बाद सब स्टेशन और वहां से उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाई जाती है। जापान की कंपनी के साथ पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर किया शुरू रोहिणी में जापान की निसिन इलेक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड के सहयोग से इसे पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत शुरू किया गया है। दोनों कंपनियों ने 21 अगस्त, 2024 को समझौता किया था। इससे बिजली आपूर्ति शुरू हो गई है। टीपीडीडीएल के अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है। बिजली ग्रिड से दूर वाले स्थानों पर बिजली उपलब्ध कराने में परेशानी होती है। इस तरह से स्थानों के लिए अलग से ग्रिड बनाने में 30 से 40 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। कम आबादी वाले स्थानों पर उपयोगी है माइक्रो ग्रिड कम आबादी वाले स्थानों के लिए यह बहुत खचीर्ला होता है। ऐसे स्थानों के लिए माइक्रो ग्रिड उपयोगी है। वहां से गुजर रहे हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन के पास इसका निर्माण किया जा सकता है। इसे लगभग डेढ़ करोड़ में यह तैयार हो जाता है। इससे लगभग 60 घरों में बिजली आपूर्ति की जा सकती है। इसके रखरखाव में भी अधिक खर्च नहीं होता है। रोहिणी में शुरू माइक्रा ग्रिड का एक वर्ष तक होगा अध्ययन रोहिणी में शुरू हुए माइक्रो ग्रिड के परिणाम का एक वर्ष तक अध्ययन किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि उत्तर व पूर्वोत्तर भारत में ऐसे कई इलाके हैं जहां ट्रांसमिशन लाइन तो है लेकिन पर्याप्त पावर ग्रिड विकसित नहीं हुए हैं। ऐसे क्षेत्रों में मिनी ग्रिड डीजल जनरेटर का उपयोग होता है। इससे वायु प्रदूषण होने के साथ ही यह महंगा पड़ता है। ओडिशा में बिजली वितरण करने वाली कंपनी के साथ इस तरह के ग्रिड लगाने को लेकर चर्चा हो रही है।

हाथ में आए चोरी हुए मोबाइल, खिल उठे लोगों के चेहरे; दिल्ली पुलिस ने ऐसे पाई सफलता

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने आपरेशन ट्रैक बैक के तहत चोरी हुए मोबाइल फोन के तस्करों और चोरों के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत 265 महंगे मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए। इस दौरान क्राइम ब्रांच की टीम ने 29 आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए चोरी के मोबाइल संबंधित 72 मामलों को सुलझाया। संयुक्त पुलिस आयुक्त क्राइम ब्रांच सुरेन्द्र सिंह के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने सोमवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आपरेशन ट्रैक बैक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशेष पुलिस आयुक्त अपराध देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने की। उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध संजय कुमार सैन व मंगेश कश्यप, साथ ही क्राइम ब्रांच के सभी पुलिस उपायुक्त सहायक पुलिस अधीक्षक और निरीक्षक शामिल थे। इससे पूर्व 19 फरवरी 2025 को आपरेशन ट्रैक बैक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें 216 बरामद मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए थे। विशेष पुलिस आयुक्त अपराध देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने इस पहल की सराहना की और कहा कि जघन्य अपराधों को सुलझाने के अलावा, इस तरह के प्रयास आम नागरिकों को खुशी भी देते हैं। उन्होंने क्राइम ब्रांच की टीम को समर्पण और ईमानदारी के साथ इस तरह के प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आपरेशन ट्रैक बैक शुरू किया है, जिसके तहत चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद करने और उनके असली मालिकों को वापस लौटाने की पहल की है। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन के खो जाने से न केवल आर्थिक नुकसान होता है बल्कि डेटा सुरक्षा, पहचान की चोरी और गोपनीयता भंग होने की चिंता भी पैदा होती है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आपरेशन ट्रैक बैक के माध्यम से चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद करने और उनके असली मालिकों को वापस लौटाने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं।चोरी हुए 265 मोबाइल फोन किए बरामदक्राइम ब्रांच के साइबर सेल, ईआर-1, सीआरए एनआर-1, एआरएससी और एसआर सेक्शन की समर्पित टीमों ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां कीं, जिससे अंतरराष्ट्रीय मोबाइल चोरी और तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इमामों के मानदेय पर लगाई शर्त, हर महीने की इस तारीख को बोर्ड कार्यालय में लगानी होगी हाजिरी

नई दिल्ली: दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इमामों और मुअज्जिनों के मानदेय भुगतान की प्रक्रिया को पारदर्शी और सख्त बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब दिल्ली की सभी मस्जिदों के इमामों और मुअज्जिनों को हर महीने अपने जीवित होने का प्रमाण देना अनिवार्य होगा। वक्फ बोर्ड के नए आदेश के अनुसार, उन्हें हर महीने की 20 तारीख तक दिल्ली वक्फ बोर्ड के कार्यालय में आकर अपना चेहरा दिखाना होगा। उनकी उपस्थिति पंचिंग मशीन के माध्यम से दर्ज की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मानदेय सही व्यक्ति को ही मिले। यह फैसला तब लिया गया, जब सामने आया कि कुछ इमामों के

निधन के बाद भी उनके बैंक खातों में मानदेय की रकम ट्रांसफर होती रही। राशि की वसूली स्वजन से करने की तैयारी जांच में पता चला कि चार से पांच इमामों के खातों में उनकी मृत्यु के बाद भी कुछ महीनों तक मानदेय जाता रहा। वक्फ बोर्ड अब इस राशि की वसूली उनके परिजनों से करने की तैयारी कर रहा है। पहले यह व्यवस्था थी कि इमामों और मुअज्जिनों को साल में एक बार ही अपने जीवित होने का प्रमाण देना होता था, लेकिन अब इस गड़बड़ी के बाद इसे हर महीने अनिवार्य कर दिया गया है। दिल्ली में फिलहाल 185 इमाम और 59 मुअज्जिन हैं, जो इस नए नियम के तहत आएंगे। वक्फ बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि बिना प्रमाण के अब किसी को भी मानदेय नहीं मिलेगा। प्रक्रिया में अनियमितता पाए जाने पर की जाएगी कार्रवाई साथ ही, इस प्रमाण को पंचिंग मशीन से जोड़ने का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और भ्रष्टाचार को रोकना है। यदि कोई इस प्रक्रिया में अनियमितता करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद अब हर महीने इमामों और मुअज्जिनों को खुद उपस्थित होकर ही मानदेय प्राप्त करना होगा, जिससे भविष्य में ऐसी गड़बड़ी की कोई संभावना न रहे।

कांवड़ को लेकर दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, सभी रजिस्टर्ड समितियों को मिलेगा फंड और तय यूनिट तक मुफ्त बिजली

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट बैठक के बाद प्रेसवार्ता में बताया कि दिल्ली सरकार लगातार नई-नई नीतियां ला रही है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा को लेकर आज ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इस कार्य को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था, जहां केवल दो या तीन एजेंसियों को ही काम मिलता था। मंगलवार की बैठक में यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। अब सभी पंजीकृत समितियों को पैसा दिया जाएगा। समितियां डीएम ऑफिस में आवेदन करेंगी और सिंगल विंडो के माध्यम से काम होगा। तीन महीने से समितियों को कर दिया जाएगा पूरा भुगतान मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले

बिलिंग की प्रक्रिया सालों तक लंबित रहती थी, लेकिन अब चार श्रेणियों के तहत 50 हजार से 10 लाख तक का भुगतान किया जाएगा। 50 प्रतिशत राशि पहले और 50 प्रतिशत बाद में दी जाएगी। तीन माह के भीतर पूरा भुगतान कर दिया जाएगा। समितियां अभी करा सकती हैं रजिस्ट्रेशन जो समितियां पंजीकृत नहीं हैं, वे अभी पंजीकरण करा सकती हैं और 30 जुलाई तक अपनी बिलिंग जमा कर सकती हैं। मुख्यमंत्री धार्मिक उत्सव समिति के माध्यम से यह काम होगा और इसके लिए मंत्री कपिल मिश्रा के नेतृत्व में समिति गठित की गई है। कांवड़ शिविरों को 1200 यूनिर तक बिजली मुफ्त भोले के भक्तों की सेवा करने वाले कांवड़ शिविरों को दिल्ली सरकार ने बिजली के इस्तेमाल पर भी राहत दी है। सीएम रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि कांवड़ शिविरों को 1200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। इसके साथ ही जाम की समस्या न बने, इसके लिए यातायात पुलिस सक्रिय रहेगी। पंजीकरण आसान, एमपी-एमएलए से लेनी होगी अनुमति इसके साथ ही कांवड़ शिविर समितियों के लिए का पंजीकरण बेहद आसान कर दिया गया है। इन समितियों को इलाके के एमपी और एमएलए की संस्तुति लेनी होगी।

मेरी गर्लफ्रेंड किडनैप हो गई... दिल्ली पुलिस ने ढूंढने में घंटों छानी खाक और वो तो बस ब्वॉयफ्रेंड से थी नाराज

पूर्वी दिल्ली: भजनपुरा इलाके में सोमवार की रात 2:50 बजे एक ऐसी घटना घटी, जिसने पुलिस को कुछ घंटों के लिए उलझन में डाल दिया। दरअसल, एक युवक ने पुलिस को कॉल कर बताया कि उसकी गर्लफ्रेंड को किडनैप कर लिया गया है। युवक की घबराई आवाज सुनकर पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। देखते ही देखते इलाके में नाकेबंदी कर दी गई। ब्वॉयफ्रेंड ने पुलिस को बताया था कि उसने विजय पार्क में मौजपुर के पास ड्रॉप किया था, तभी उसका अपहरण हो गया। ब्वॉयफ्रेंड बोला- चार से पांच लोग उसे कार में ले गए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, सीसीटीवी फुटेज खंगाले और ब्वॉयफ्रेंड से विस्तार से पूछताछ की। उसका कहना था कि चार से पांच लोग उसे कार में किडनैप कर फरार हो गए। आखिरी बार कुछ लोगों ने उसे एक कार में जाते देखा था। पुलिस को मामला जितना गंभीर लग रहा था, उतना ही रहस्यमय भी बनता जा रहा था। पुलिस ने गर्लफ्रेंड का मोबाइल नंबर सविलांस पर लगाया पुलिस ने ब्वॉयफ्रेंड से उसकी गर्लफ्रेंड का मोबाइल नंबर लिया और उसकी लोकेशन ट्रेस करने का प्रयास किया। इसके साथ ही युवती के दोस्तों से भी संपर्क किया। दिल्ली पुलिस की घंटों की मशक्कत के बाद, कुछ घंटे बीतते ही कहानी में ट्विस्ट आया। गर्लफ्रेंड खुद ही अपने घर लौट आई, तब जाकर पुलिस को सच्चाई पता चली। ब्वॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद नाराज होकर चली गई थी उसने बताया कि उसका अपने ब्वॉयफ्रेंड से झगड़ा हो गया था, जिससे नाराज होकर वह वहां से चली गई। रास्ते में उसने एक कार सवार से लिफ्ट ली थी इसके बाद वह कुछ देर बाद घर लौट आई। गर्लफ्रेंड ने साफ किया कि अपहरण जैसी कोई घटना नहीं हुई थी और वह अपनी मर्जी से गई। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि पुलिस ने दोनों को समझाया। इस घटना ने इलाके में कई घंटों तक हलचल मची रही।

दिल्ली के अस्पताल में भर्ती युवती से यौन शोषण, सड़क किनारे अर्धनग्न हालत में मिली तो मचा हड़कंप

पूर्वी दिल्ली। शास्त्री पार्क स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में सोमवार सुबह एक युवती मरीज के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। 23 वर्षीय युवती आइसीयू में दो दिनों से भर्ती थी। वह रात में किसी वक्त आइसीयू से डॉक्टर व कर्मचारियों के सामने से निकल गई। किसी ने उसे देखा ही नहीं। अस्पताल की ओपीडी में दिखाने आए एक मरीज ने पंजीकरण ब्लॉक के पास दिनदहाड़े युवती का यौन शोषण किया। सूत्रों का दावा है कि युवती अर्धनग्न हालत में मिली। इस वारदात ने अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल से चंद दूरी पर उस्मानपुर व शास्त्री पार्क थाना है। उस्मानपुर थाना ने यौन शोषण का केस दर्ज कर आरोपित खजूरी क्षेत्र निवासी मोहम्मद फैज को गिरफ्तार कर लिया है। युवती को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से जीटीबी रेफर कर दिया है। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन ने चुप्पी साध ली है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार रात को पुलिस को सोनिया विहार क्षेत्र में बेहोशी की हालत में एक युवती सड़क किनारे मिली थी। कैसे आइसीयू से बाहर चली गई युवती? पुलिस ने उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवा दिया था। उसके परिवार को पुलिस ढूंढ रही है। युवती मानसिक रूप से कमजोर है। अस्पताल ने उसे दूसरी मंजिल स्थित आइसीयू में भर्ती किया था। रविवार रात को युवती डॉक्टर व कर्मचारियों को बिना बताए आइसीयू से बाहर चली गई थी। वह अस्पताल के परिसर में ही घूम रही थी। रविवार सुबह मोहम्मद फैज अस्पताल की ओपीडी में दिखाने के लिए आया था। युवती उसे ओपीडी पंजीकरण ब्लॉक के पास अकेली मिली। आरोप है युवती को अकेला पाकर आरोपित ने उसका यौन शोषण किया। युवती अर्धनग्न हालत में अस्पताल में मिली तो हड़कंप मच गया।

निगम ने कार्रवाई कर जब्त किए रसोई गैस सिलेंडर, पुलिस की आंखों के सामने ले भागे दबंग

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की टीम सोमवार दोपहर को दलबल के साथ उस्मानपुर पांचवा पुश्ता पर डीडीए की जमीन पर चल रही अवैध पार्किंग पर कार्रवाई के लिए पहुंची। अवैध पार्किंग में खड़े ट्रकों से एलपीजी गैस सिलेंडर उतारे जा रहे थे। निगम ने उन सिलेंडर को जब्त कर अपने वाहन में रख लिया। कार्रवाई के दौरान उस्मानपुर थाना पुलिस की टीम मौजूद थी। अवैध पार्किंग चलाने वाले दबंगों ने धमकी देते हुए निगम के ट्रक में चढ़कर सिलेंडर लूट लिए। अन्य वाहनों में रखकर उन्हें वहां से ले गए। निगम व दिल्ली पुलिस के जवान कुछ नहीं कर सके। आरोप है कि कार्रवाई दिखाने के लिए अवैध पार्किंग चलाने वालों ने ही निगम को तीन खाली

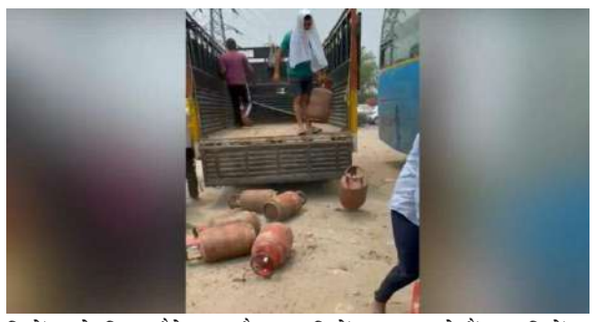

सिलेंडर दे दिए। मौके पर मौजूद निगम के अधिकारियों ने बताया कि चार दिन पहले निगम उपायुक्त कर्नल अभिषेक मिश्रा ने अवैध पार्किंग का निरीक्षण किया था। पता चला था महेश व सुभाष नाम के व्यक्ति डीडीए की जमीन पर अवैध पार्किंग चला रहे हैं। निगम को सूचना मिली थी अवैध पार्किंग में ट्रकों में एलपीजी सिलेंडर लाए जाते हैं। उन सिलेंडर से गैस चोरी की जाती है। डग्गामार बसे भी खड़ी होती है। पास ही बिजली विभाग का ग्रिड भी है। गत जनवरी में पार्किंग में आग लगी थी, जिसमें कई वाहन जलकर खाक हो गए थे। उपायुक्त ने पुलिस व अन्य विभागों को पत्र लिखकर कार्रवाई करने को कहा था। सोमवार दोपहर 12 बजे निगम की टीम उस्मानपुर थाना पुलिस के साथ अवैध पार्किंग में पहुंची। निगम ने तीन वाहन व कई सिलेंडर जब्त किए। पुलिस की खाकी को ठेंगा दिखाते हुए दबंगों ने सिलेंडर निगम के वाहन से उतार लिए और लेकर भाग गए। पुलिसकर्मी खड़े -खड़े देखते रहे। इस मामले में जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा को वाट्सएप पर दो वीडियो भेजे जिसमें निगम की टीम अपने वाहन में सिलेंडर भर रही है और दूसरे वीडियो में दबंग लोग उसमें से सिलेंडर उतार रहे हैं। निगम का दावा है पुलिस के सामने यह सब हो रहा था, पुलिस क्या कर रही थी। उपायुक्त ने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बैंक्वेट हाल में लगी भीषण आग, एक ने कूदकर बचाई जान तो दूसरे शख्स की फंसे होने की आशंका

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में मोती नगर थाना क्षेत्र में सोमवार रात गोल्डन बैंक्वेट हाल में अचानक आग लग गई। कुछ देर में ही आग ने भयावह रूप ले लिया। गनीमत यह रही कि यहां कोई

समारोह नहीं चल रहा था। कुछ लोग थे, जो आग लगते ही सुरक्षित बाहर निकल गए। लेकिन दो लोग आग की चपेट में आ गए। इनमें से एक ने नीचे कूदकर जान बचाई। दूसरे के अभी भी इसमें फंसे होने की आशंका है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की 24 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। रात में दमकल कर्मी आग को नियंत्रित कर चुके थे। अंदर जिस व्यक्ति के फंसे होने की आशंका है, उन्हें तलाशने का काम भी जारी है। अग्निशमन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सोमवार रात करीब पौने नौ बजे मोती नगर के डीएलएफ के नजदीक स्थित गोल्डन बैंक्वेट हाल में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही आस पास के दमकल केंद्रों से दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंचे दमकल अधिकारियों ने पाया कि आग बैंक्वेट हाल में पूरी तरह से फैल गया है और ऊपर की मंजिल से आग की लपटें निकल रही है। आग की भयावहता को देखते हुए दो दर्जन गाड़ियों को मौके पर बुला लिया। साथ ही ऊपर की मंजिल पर आग बुझाने के लिए ब्रांटो गाड़ी को भी मौके पर बुलाया लिया गया। उसके बाद दमकल कर्मी आसपास मौजूद लोगों को वहां से हटाने के बाद आग बुझाने में जुट गए। शुरूआती जांच में पता चला कि भूतल से आग लगी थी। दमकल अधिकारी ने बताया कि हम लोगों को बताया गया कि यहां दो लोग फंसे हैं। एक ने कूदकर जान बचाई तो एक अंदर फंसा है। उसकी तलाश जारी है। आग को नियंत्रित कर लिया गया है और आग पर जल्द ही काबू कर लिया जाएगा।

अब दिल्ली के इस मेडिकल कॉलेज में भी तैयार होंगे नेफ्रोलॉजिस्ट, अभी तक प्रोफेसर न होने से नहीं होती थी डीएम की पढ़ाई

नई दिल्ली: वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज व सफदरजंग अस्पताल में नेफ्रोलॉजी के सुपर स्पेशियलिटी कोर्स की शुरूआत की गई है। ऐसे में अब सफदरजंग अस्पताल के मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी तैयार होंगे। इससे किडनी के मरीजों के इलाज की सुविधा बढ़ेगी। साथ शोध को भी बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली में एम्स और आरएमएल के बाद सुपर स्पेशियलिटी कोर्स का संचालन शुरू करने वाला सफदरजंग तीसरा चिकित्सा संस्थान है। प्रोफेसर न होने से नहीं होती थी डीएम की पढ़ाई वैसे सफदरजंग अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग काफी पुराना है, लेकिन पहले विभाग में कोई प्रोफेसर नहीं होने के कारण नेफ्रोलॉजी में डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) की पढ़ाई नहीं होती थी। पहली बार इस अस्पताल के मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी में डीएम की तीन सीटें स्वीकृत की गई हैं। इन सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। डॉक्टर बताते हैं कि किडनी की बीमारी बढ़ रही है। देश में करीब आठ प्रतिशत लोगों को किडनी की बीमारी है। मरीजों की तुलना में कम

हैं किडनी विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल के नेफ्रोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. हिमांशु वर्मा ने बताया कि किडनी के मरीजों का बेहतर इलाज नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ ही बेहतर कर सकते हैं। मरीजों की तुलना में किडनी के विशेषज्ञ डॉक्टर कम हैं। हाल के वर्षों में अस्पताल में किडनी के इलाज की सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। सप्ताह में ओपीडी दो दिन की जगह चार दिन होने लगी है। इससे सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार व शुक्रवार को ओपीडी में किडनी के मरीज देखे जाते हैं। ओपीडी में किडनी के मरीजों का दबाव बढ़ा है फिर भी ओपीडी में मरीजों का दबाव कम होने के बजाय बढ़ा है। पहले सप्ताह में करीब एक हजार किडनी के मरीज आते थे। अब हर सप्ताह करीब दो हजार मरीज देखे जाते हैं। डायलिसिस मशीनें दस से बढ़ाकर 20 मशीनें कर दी गई हैं। इसी क्रम में अब नेफ्रोलॉजी में सुपर स्पेशियलिटी की पढ़ाई शुरू होने से डॉक्टरों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। यहां से नेफ्रोलॉजी में सुपर स्पेशियलिटी की पढ़ाई करने वाले डॉक्टर दूसरे अस्पतालों में जाकर मरीजों का इलाज कर सकेंगे।

सफदरजंग अस्पताल के वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी का सुपर स्पेशियलिटी कोर्स शुरू किया गया है। दिल्ली में एम्स और आरएमएल के बाद यह तीसरा संस्थान है

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से होगी शुरु, महामारी के चलते 2020 से थी बंद

- रुट में किया बदलाव, इस बार यात्रा टनकपुर, चंपावत होते हुए आगे बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू हो रही है। साल 2020 में महामारी के कारण यह यात्रा बंद कर दी गई थी, लेकिन अब 30 जून से यह यात्रा दोबारा शुरू हो रही । यह यात्रा अगस्त तक चलेगी और हर साल की तरह इस बार भी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख पास से शुरु होगी। कैलाश पर्वत हिंदू, बल्कि बौद्ध, जैन और तिब्बती में भी बेहद पवित्र माना जाता है। बौद्ध धर्म में इसे डेमचोक का निवास माना जाता है, वहीं जैन धर्म में यह पहला तीर्थंकर ऋषभदेव से जुड़ा है। तिब्बती मान्यता में कैलाश को स्वास्तिक पर्वत के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही मानसरोवर झील भी पवित्र मानी जाती है, जहां भक्त स्नान कर पुण्य अर्जित करते हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा प्राचीन काल से चली आ रही है। यह यात्रा आध्यात्मिक शांति, आत्ममंथन और भगवान शिव के दर्शन के लिए की जाती है। हर साल सैकड़ों श्रद्धालु इस यात्रा को तय कर मानसरोवर झील के दर्शन और स्नान करते हैं। हाल ही में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय की एक अहम बैठक की, जिसमें यात्रा को फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया। इस बार यात्रा का संचालन कुमाऊं मंडल विकास निगम कर रहा है। यात्रा की शुरुआत दिल्ली से होगी और फिर यात्री पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से होते हुए कैलाश मानसरोवर जाएंगे। इस बार यात्रा का रूट में थोड़ा बदलाव किया है। पहले यह काठगोदाम और अल्मोड़ा होते हुए जाती थी, लेकिन अब यह टनकपुर, चंपावत होते हुए आगे बढ़ेगी। कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव भी है। ऊंचे पर्वतों, कठिन रास्तों और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच यह यात्रा भक्तों को आस्था, साहस और आत्मचिंतन का अद्भुत अवसर प्रदान करती है।

टेस्ट में आए कम नंबर तो बाप ने कर दी बेटी की हत्या

सांगली (एजेंसी)। क्या आप सोच सकते हैं कि कोई पिता अपनी बेटी की हत्या सिर्फ इस कारण कर सकता है कि उसके टेस्ट में नंबर कम आए थे। जी हॉ ऐसा ही एक मामला महाराष्ट्र के सांगली से सामने आया है, जहां एक पिता ने नीट मॉक टेस्ट में कम नंबर आने पर बेटी की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय साधना भोंसले के नीट प्रैक्टिस टेस्ट में कम नंबर आए। इससे नाराज पिता ने उसकी पिटाई डंडे से कर दी। इसी बीच साधना के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सांगली के उषाकल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। उसकी इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतका साधना के 10वीं बोर्ड एग्जाम में 92.60 फीसदी अंक आए थे। पिछले एक साल से वह मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट नीट की तैयारी में लगी हुई थी। इस बीच हुए टेस्ट में उसके नंबर कम आए और इस कारण उसके पिता धोंडीराम भोंसले जो कि खुद एक स्कूल प्रिंसिपल हैं ने इस कदर उसे पीटा कि उसे गंभीर चोटें आ गईं। अब मां की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी का गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतका साधना की मां ने 22 जून को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया कि उसके पति ने कम नंबर आने पर पीट-पीटकर बेटी की हत्या कर दी है। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार पिता ने बेटी को पीटने की बात स्वीकार कर ली है।

बहराइच में तेंदुए का आंतक, आंगन में सो रहे ग्रामीण पर किया हमला

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बहराइच के ग्रामीण इलाकों में वन्यजीवों के हमले बढ़े गए हैं कि अब मच्छरदानी में भी ग्रामीण नहीं सुरक्षित है। एक बुजुर्ग किसान घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी तेंदुए ने उन पर हमला किया। लेकिन गनीमत रही की फौरन लोग दौड़ पड़े जिससे बुजुर्ग की जान बच गई। जानकारी के मुताबिक गांव बनकटी में इन दिनों जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव के निवासी बलदेव सिंह मच्छरदानी लगाकर घर में सो रहे थे। तभी अचानक घर में घुसे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान सिंह तेंदुए से भिड़ गए और शोर मचाने लगे। उनका शोर सुनकर घर के लोग और ग्रामीणों ने तेंदुआ जंगल की ओर भाग दिया। घायल बलदेव सिंह को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने बताया कि तेंदुए के हमले से शरीर पर कई जगह जख्म हैं। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी ने घायल बलदेव को तत्काल एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की और ग्रामीणों को तेंदुए के पकड़ने का आश्वासन दिया।

लंदन से मुंबई आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 5 यात्री, 2 केबिन क्रू हुए बेहोश

मुंबई (एजेंसी)।, एयर इंडिया की एक फ्लाइट में फिर चौंकाने वाली घटना हुई है। दरअसल लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट में सवार पांच यात्री और दो केबिन क्रू बेहोश हो गए हैं। यह विमान मुंबई में उतरा था। इस घटना ने एक बार फिर हड़कंप मचा दिया है। हाल ही में अहमदाबाद-लंदन विमान हादसे में 242 यात्रियों की मौत हो गई थी। हादसाग्रस्त विमान एयर इंडिया का था। इसके बाद एयर इंडिया के विमानों को लेकर कई शिकायतें सामने आ रही हैं। इस बीच सोमवार को AI130 फ्लाइट लंदन के हीथ्रो से मुंबई आ रही थी। इस यात्रा के दौरान पांच यात्रियों और दो क्रू मेंबर ने उड़ान के अलग-अलग चरणों में चक्कर आने और जी मिचलाने की शिकायत की। यह घटना मुंबई एयरपोर्ट पर हुई। हालांकि AI130 फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गई। मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन के मुताबिक, विमान के मुंबई में सुरक्षित उतरने के बाद मेडिकल टीम तत्काल चिकित्सा सहायता देने के लिए तैयार थी। विमान के मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद, दो यात्रियों और दो केबिन क्रू, जो अभी भी अस्वस्थ महसूस कर रहे थे, को आगे की जांच के लिए मेडिकल वार्ड में ले जाया गया। उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम घटना की जांच कर रहे हैं और नियामक को इसकी जानकारी दे दी है।

अब सरकार सांसदों से संपर्क और संवाद के लिए बनाएगी संसदीय मैत्री ग्रुप !

प्राक्कलन समितियों के सम्मेलन में स्पीकर ओम बिरला ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अलग-अलग पार्टी के संसदों से संपर्क और संवाद के लिए संसदीय मैत्री ग्रुप बनाने पर विचार कर रही है। पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दुनियाभर में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सफलता के बाद संसदीय मैत्री समूह बनाने के बारे में सोच विचार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इसकी जानकारी दी।

मुंबई में प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि कई देशों में ऐसे संसदीय समूह होते हैं और वे हमें भी ऐसे ग्रुप बनाने के लिए कह रहे हैं। अब हम इस पर काम कर रहे हैं। संसदीय मैत्री ग्रुप को लेकर आने वाले संसद सत्र में सभी दलों के साथ चर्चा की जाएगी। संसदीय मैत्री ग्रुप संसदीय कूटनीति को मजबूत करने से लेकर कई मुद्दों पर बेहतर सहयोग के लिए काम करते हैं।

अलग-अलग पार्टी के सदस्य वाले इन मैत्री समूहों का विचार उन प्रतिनिधिमंडलों की यात्राओं के दौरान भी सामने आया, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर दुनियाभर के अलग-अलग देशों में गए थे।

ओम बिड़ला ने भारतीय संसद की प्राक्कलन समिति की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारिका का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि देशभर की प्राक्कलन समितियों के प्रयासों से सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को रोका गया है। अब हमारी कोशिश है कि प्राक्कलन समितियों के सभी सदस्य टेक्नोलॉजी जैसे एआई, डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल करें ताकि समीक्षा और अच्छी हो सके। टेक्नोलॉजी पारदर्शिता और जवाबदेही लाती है। इसके लिए हम सदस्यों को ट्रेनिंग भी देंगे।

23 साल बाद हो रहे इस सम्मेलन में संसद और राज्यों संघ राज्य क्षेत्रों के विधानमंडलों की प्राक्कलन समितियों के सभापति और सदस्य शामिल हुए। बिरला ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कुछ राज्यों की प्राक्कलन समितियों की 90-95 फीसदी तक सिफारिशों को सरकार ने लागू किया है। कुछ राज्यों में यह 60 फीसदी से कम है, हिमाचल प्रदेश में यह 15 फीसदी ही है। बिड़ला ने सभी समितियों को एक-दूसरे से अपने अनुभव साझा करने का सुझाव दिया ताकि आंकड़ा हर राज्य में बढ़ सके।

इस सम्मेलन में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्राक्कलन समिति सरकार पर अंकुश रखने की एक मजबूत व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हमारी कई समितियां पोस्टमार्टम समितियां हैं, जो कि घटना के बाद विचार करती हैं लेकिन प्राक्कलन समिति डायनामिक तरीके से काम करती हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये केवल समितियां नहीं बल्कि एक तरह से छोटा विधानमंडल है और उसे भी कई अधिकार मिले हुए हैं। संसद की प्राक्कलन समिति के सभापति संजय जायसवाल ने कहा कि संसद की प्राक्कलन समिति 10 अप्रैल 1950 को बनी और अब तक समिति ने 1033 रिपोर्ट शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, आधारभूत ढांचे जैसे विषयों प्रस्तुत की हैं।

लालू के बड़े लाल बनेंगे कॉमर्शियल पायलट, विमान उड़ाते नजर आएंगें

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव अब विमान उड़ाते दिख सकते हैं। एविएशन क्षेत्र में रुचि रखने वाले तेजप्रताप को उड्डयन प्रशिक्षण निदेशालय की परीक्षा में सफलता मिली है। 18 कैडिडेट्स परीक्षा में पास हुए हैं। इसमें तेजप्रताप का भी नाम है। उनका कॉमर्शियल पायलट की ट्रेनिंग के लिए चुनाव हुआ है। तेजप्रताप लंबे समय से एविएशन फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते थे। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तेज प्रताप ने पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की थी कि उन्हें भी देश की सेवा करने का मौका दें। तेजप्रताप ने फोटो शेयर की। इसमें वे पायलट की सीट पर बैठे दिख रहे हैं। फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी एक बार देश की सेवा करने का मौका दीजिए। तेजप्रताप ने पोस्ट में लिखा कि माननीय प्रधानमंत्री जी, वंदे मातरम। विपदा की इस घड़ी में हम समस्त देशवासी एक साथ हैं। मैं, तेजप्रताप यादव, बतौर वायुयान चालाक भी अपने दायित्वों का निर्वाह करने में सक्षम हूं। सीमा पर सुरक्षा प्रहरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शत्रुओं के नापाक इरादों को नेस्तनाबूत करने की प्रबल इच्छा रखता हूं। आप से अनुरोध है कि हम नागरिकों को भी भारत माता की सेवा करने का मौका दिया जाए। देश और देश के नागरिकों की रक्षा में यदि मेरे प्राण भी निकल जाएं, तो मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझूंगा।'

संसद की स्थायी समिति की बैठक में उठा सवाल, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं

तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक तन्खा और द्रमुक के पी विल्सन तथा ए राजा प्रमुख सदस्य हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी आवास पर भारी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के मामले में फंसे हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला मंगलवार को संसद की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। समिति के सदस्यों ने पूछा कि मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा के दौरान समिति के सदस्यों ने वीरस्वामी मामले की समीक्षा का सुझाव दिया। इसके अलावा समिति ने जजों के लिए आचार संहिता बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद लेने के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि के बारे में भी सुझाव दिया।

संसदीय समिति ने यह चर्चा उस समय की है, जब अगले महीने संसद के मॉनूसन सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी हो रही है।

राज्यसभा की इस समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजलाल हैं और इसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई (जो एक मनोनीत सांसद हैं), पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी,

जहां जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलाने की संभावना है, वहीं विपक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ भी इसतरह की कार्रवाई के लिए पहले ही नोटिस दे चुका है।

राज्यसभा सचिवालय उन सांसदों के हस्ताक्षरों का भी सत्यापन कर रहा है, जिन्होंने जस्टिस यादव के खिलाफ कथित नफरती भाषण को लेकर महाभियोग नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सचिवालय पहले ही सांसदों को उनके हस्ताक्षरों की पुष्टि के लिए पत्र लिख चुका है।

सफल हो रहा ऑपरेशन सिंधु: अब तक ईरान से 2003 लोगों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंधु को जबदरस्त सफलता मिल रही है। ऑपरेशन के तहत अब तक 2003 लोगों सुरक्षित वतन वापसी हुई है। 290 भारतीय नागरिकों और एक श्रीलंकाई नागरिक को लेकर एक विमान सोमवार को शाम 7:15 बजे नई दिल्ली पहुंचा। यह विमान ईरान के मशहद से लोगों को लेकर आया था और ऑपरेशन सिंधु का हिस्सा था। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इसके साथ ही अब तक 2003 भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 290 भारतीय नागरिकों और एक श्रीलंकाई को मशहद से निकाला गया और वे सभी सोमवार को शाम सात बजकर 15 मिनट पर एक विशेष विमान से नई दिल्ली पहुंचे। भारत के निकासी अभियान 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत इजराइल से जॉर्डन की राजधानी ले जाए गए कुल 161 भारतीय भी अम्मान से एक विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नागरिकों के आधी रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले, शनिवार को 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत मशहद से 285 भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान दिल्ली पहुंचा। ये सभी यात्री बिहार, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से थे।

इसी तरह से ऑपरेशन सिंधु के तहत मशहद से एक और निकासी विमान 21 जून को शाम साढ़े चार बजे ईरान से 310 भारतीय नागरिकों के साथ नई दिल्ली पहुंचा था, जिसके बाद वहां से सुरक्षित निकाले जाने वाले भारतीयों की तादाद 827 पहुंच गई थी, जो कि अब 2000 से ज्यादा हो चुकी है। ईरान और इजरायल में जंग से मिडि-ईस्ट में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में भारत ने तय किया है कि दोनों देशों में फंसे अपने नागरिकों को वह सुरक्षित स्वदेश लाएगा।

भारत ने 18 जून को ईरान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू करने की घोषणा की थी। ईरान से सुरक्षित रूप से निकाले गए 110 भारतीय नागरिकों का पहला समूह 19 जून को भारत पहुंचा था। कई लोगों ने वहां की भयावह स्थिति के बारे में अपनी आपबीती बताई। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने इन लोगों के दिल्ली हवाई अड्डा पर पहुंचने पर उनका स्वागत किया।

अब महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा बनाने का फैसला रुका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लाने का फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र में पहली से पांचवीं कक्षा के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के तौर पर लागू किया जाना था। लेकिन सोमवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस पर रोक लग गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक अंतिम फैसले से पहले साहित्यिक दिग्गजों, विषय विशेषज्ञों और नेताओं से विचार-विमर्श किया जाएगा। माना जा रहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों के निकट आने के चलते प्रदेश सरकार ने यह फैसला रोका है।

यह दूसरी बार है जब प्रदेश सरकार को तीसरे भाषा के रूप में हिंदी को लागू करने को लेकर पीछे हटना पड़ा है। इसी साल अप्रैल में एक सरकारी निर्णय जारी हुआ था। इसमें कहा गया कि हिंदी तीसरी भाषा होगी और यह कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए अनिवार्य होगी। हालांकि मनसे और अन्य लोगों के विरोध के बाद सरकार ने यह फैसला रोक दिया। 17 जून को राज्य ने एक संशोधित आदेश जारी हुआ। इसमें सरकार ने तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य हिंदी शब्द को हटा दिया। इसके बदले छात्रों को किसी अन्य भाषा का विकल्प चुनने का अवसर दिया, बशर्ते कम से कम 20 छात्रों ने उसके लिए विकल्प चुना हो। महाराष्ट्र में यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। कक्षा एक से पांचवीं तक में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने को लेकर यहां काफी विरोध हो रहा है। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस फैसले का विरोध किया है। गौरतलब है कि आगामी स्थानीय चुनाव के लिए भाजपा और शिवसेना (शिंदे) मनसे को अपने साथ लाना चाहते हैं। विपक्ष ने कहाकि यह कदम भाजपा का है। वह प्रदेश में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में थोपना चाहती है। सिर्फ राजनीतिक तबकों ही नहीं, बल्कि साहित्य से जुड़े लोग भी इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। साल 2021 में अपनी कविता के लिए राज्य पुरस्कार से सम्मानित कवि हेमंत दिवाते ने कहाकि अगर हिंदी लागू की गई तो वह अपना पुरस्कार लौटा देंगे।

छत्तीसगढ़ में झकझोर देने वाला कांड: 115 दिनों में 30 पत्नियों को उतार दिया मौत के घाट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां पिछले 115 दिनों में, 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी है। इसका मतलब है कि हर चार दिन में एक हत्या हो रही है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया पर पत्नियों को हत्यारा कहा जा रहा है।छत्तीसगढ़ पुलिस के रिकॉर्ड एक अलग ही कहानी बताते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि वहां कितनी भयावह स्थिति है। धमतरी में एक युवा जोड़े की शादी को सिर्फ तीन महीने हुए थे। 7 जून को पति ने अपनी पत्नी के साथ एक फोटो पोस्ट की और प्यार जताया। तीन दिन बाद, उसने दरांती से उसकी गला रेत कर हत्या कर दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, आरोपी पति धनेश्वर पटेल ने अपनी पत्नी पर चरित्र को लेकर शक होने पर उसकी हत्या करने की बात कबूल की है। एक और मामला बालोद का है। 22 मार्च को एक सड़क दुर्घटना हुई थी। एक स्कूल टीचर की मौके पर ही मौत हो गई लेकिन जांच में पता चला कि उसके पति शीशपाल और उसके दोस्त ने मिलकर हत्या की थी और उसे दुर्घटना का रूप दिया था। एक पुलिस अधिकारी योगेश पटेल ने बताया, आरोपी के एक परिचित कयामुद्दीन ने पूछताछ में बताया कि हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी। छत्तीसगढ़ में पत्नियों की हत्या के 30 मामलों में से 10 से ज्यादा शक या जलन की वजह से हुए। 6 मामले नशे में हुए। दो मामले यौन संबंध बनाने से इनकार करने पर हुए। बाकी मामले घरेलू हिंसा, दहेज विवाद या वैवाहिक तनाव के कारण हुए। एक समाजशास्त्री प्रोफेसर सोशल मीडिया पर चल रही गलत बातों की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा, यह गुस्सा पितृसत्तात्मक समाज की वजह से है। पुरुषों ने हजारों हत्याएं की हैं, लेकिन अगर कोई महिला ऐसा करती है, तो पूरे जेंडर को दोषी ठहराया जाता है। हत्या तो हत्या होती है। जेंडर से इसकी गंभीरता नहीं बदलनी चाहिए। कुछ सनसनीखेज मामलों के आधार पर महिलाओं को लेबल करना हमारी पुरुष-प्रधान मानसिकता को दर्शाता है। पत्नियों को ट्रोल करना न केवल गलत है, बल्कि खतरनाक भी है।

आर्मी के गद्दार जवान ने खोले राज: ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने पर पाकिस्तान देता था पैसे

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले भारतीय सेना के जवान गुरप्रीत सिंह और उसके साथी साहिल मसीह को पिछले दो महीनों में दो लाख रुपये मिले थे। यह राशि ऑनलाइन ट्रांसफर की गई है, जिसे गुरप्रीत ने अपने साथी साहिल के बैंक खाते में डलवाया।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी अमृतसर में डेरा डाल लिया है। सोमवार की शाम को गुरप्रीत और साहिल को जेआइसी (ज्वाइंट इंटेरोगेशन सेंटर) में उनसे पूछताछ की। इस घटना से स्पष्ट है कि जासूसी का यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की गहराई से जांच कर रही हैं ताकि इस जासूसी के पीछे के सभी तत्वों का पता लगाया जा सके।

यह भी पता चला है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी गुरप्रीत ने आईएसआई को कई सैन्य ठिकानों की जानकारी भेजी थी। उधर, कोर्ट ने दोनों आरोपितों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है और मंगलवार को इन्हें फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि गुरप्रीत सिंह ने जम्मू के अलावा दिल्ली कैंट और मेरठ कैंट में भी अपनी ड्यूटी की है। पुलिस को संदेह है कि वह लंबे समय से आईएसआई के एजेंट राणा जावेद के संपर्क में था। उसने जम्मू के साथ-साथ दिल्ली, मेरठ और पंजाब के कई सैन्य ठिकानों की जानकारी राणा जावेद के माध्यम से आईएसआई को दी है।

धालीवाल निवासी गुरप्रीत का राणा जावेद के साथ गांव के नशा तस्कर अर्जन नामक व्यक्ति ने संपर्क करवाया था। वह इस समय दुबई में रह रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अर्जन का जल्द ही एलओसी जारी किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए गुरप्रीत सिंह का पिता गांव के ही गुरुद्वारा साहिब में सेवादार है। दोनों आरोपित फताहपुर जेल में बंद हैं।

इंग्लैंड / भारत पहले टेस्ट का पांचवां दिन : बेन डकेट ने खेली शतकीय पारी, बारिश के चलते रुका मैच

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट का आज पांचवां दिन है। भारत को जीत के लिए 10 विकेट की जरूरत है जबकि इंग्लैंड को एक दिन में जीत के लिए 350 रन बनाने होंगे। जैक क्रॉली और बेन डकेट क्रीज पर हैं। डकेट ने 121 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका छठा शतक है। हालांकि बारिश के चलते मैच रूक गया है और इंग्लैंड ने बिना कोई विकेट गंवाए 181 रन भी बना लिए हैं।

भारत ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (118 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (137 रन) की शतकीय पारियों से दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए। दिन का खेल खत्म होने पर बेन डकेट नौ और जाक क्राउली 12 रन बनाकर खेल रहे थे। भारत ने पहली पारी में 471 रन और इंग्लैंड ने पहली पारी में 465 रन बनाए थे।

जसप्रीत बुमराह (83 रन पर पांच विकेट) के पांच विकेट से इंग्लैंड को 465 रन पर आउट करने के बाद भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 90 रन बनाकर पहले क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन अपनी कुल बढ़त 96 रन तक पहुंचाई। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (नाबाद 47, 75 गेंद, सात चौके) और साई सुदर्शन (30) ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े लेकिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (18 रन पर एक विकेट) ने दिन का खेल खत्म होन से कुछ समय पहले सुदर्शन को जैक क्राउली के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा।

बारिश के कारण जब समय से पहले दिन का खेल समाप्त किया गया तब कप्तान शुभमन गिल छह रन बनाकर राहुल का साथ निभा रहे थे। इससे पहले बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा (128 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (122 रन पर दो विकेट) ने पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड पर भारत को छह रन की मामूली बढ़त दिलाई। हैरी ब्रूक (99 रन, 112 गेंद, 11 चौके, दो छक्के) एक रन से शतक से चूक गए जबकि ओली पोप ने 106 रन बनाए। बुमराह ने जोश टंग (11) को बोल्ड करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया लेकिन इससे पहले निचले क्रम में क्रिस वोक्स (55 गेंद में 38 रन) ने तेजी से रन जुटाकर मेजबान टीम को भारत के 471 रन के स्कोर के करीब पहुंचाया।

दूसरी पारी में भारत की शुरुआत खराब रही और पहली पारी में शतक जड़ने वाले यशस्वी जायसवाल सिर्फ चार रन बनाने के बाद चौथे ओवर में ब्राइडन कार्स की गेंद पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ को कैच दे बैठे। सलामी बल्लेबाज राहुल और सुदर्शन ने इसके बाद पारी को संभाला। राहुल ने वोक्स पर दो चौकों के साथ शुरुआत की जबकि पहली पारी में बिना रन बनाए पवेलियन लौटे सुदर्शन ने कार्स पर चौके से टेस्ट क्रिकेट में अपने रनों का खाता खोला। राहुल और सुदर्शन दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी की।

राहुल ने 10वें ओवर में कार्स पर भी दो चौके मारे और फिर शोएब बशीर पर चौके के साथ 13वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन ने बेन स्टोक्स पर चौका मारा लेकिन 24 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब जोश टंग की गेंद पर बेन डकेट ने बैकवर्ड प्वाइंट पर उनका कैच टपका दिया। सुदर्शन हालांकि इसका फायदा नहीं उठा पाए और स्टोक्स की गेंद पर शॉर्ट मिड विकेट पर क्राउली को कैच दे बैठे। इससे पहले शुरुआती दो सत्र में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। टीम ने सुबह के सत्र में 28 ओवर में 118 रन बनाने के बाद दूसरे सत्र में 23.4 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 138 रन जुटाए। प्रसिद्ध ने शॉर्ट गेंद पर जेमी स्मिथ (40) और ब्रूक को आउट किया लेकिन अपनी 20 ओवर की गेंदबाजी में रन गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे।

गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की जिससे उनके चयन पर सवाल उठने लगे हैं। बुमराह पूरी पारी के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। मैच में अब तक भारत का क्षेत्ररक्षण उसकी सबसे

कमजोर कड़ी रही है। ब्रूक को 82 रन पर बुमराह की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने दूसरा जीवनदान दिया। ब्रूक हालांकि इन मौकों का फायदा उठाकर शतक नहीं बना सके और 88वें ओवर में 99 रन के स्कोर पर प्रसिद्ध की गेंद पर शार्दुल को कैच दे बैठे। भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली थी लेकिन टीम इसका अच्छा इस्तेमाल नहीं कर पाई। टेस्ट शतक (भारत के खिलाफ 2018 में) जड़ चुके वोक्स ने सत्र के अंत में प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर मिड विकेट और थर्ड मैन पर छक्के मारे। उन्हें बुमराह ने बोल्ड किया जबकि सिराज ने ब्राइडन कार्स (22) की पारी का अंत किया।

इससे पहले इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 209 रन से की। भारत ने सुबह के सत्र में कल के शतकवीर ओली पोप (106 रन, 137 गेंद, 14 चौके) और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (20) के विकेट चटकाए। दूसरे दिन की तरह तीसरे दिन भी प्रसिद्ध, शार्दुल और सिराज की तिकड़ी अपने साथी तेज गेंदबाज बुमराह की तरह सटीक गेंदबाजी करने में नाकाम रही। दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले बुमराह की नोबॉल पर आउट होने वाले ब्रूक को 46 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान मिला जब बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा की तेजी से स्पिन होती गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। इसी ओवर में ब्रूक ने अपना 12वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया जिससे भारतीय टीम की हताशा बढ़ गई जिसने अब तक मैच में कई कैच टपकाए हैं।

नवम्बर में नहीं होगी क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज ने कथित तौर पर अपनी शादी को स्थगित कर दिया है, जो मूल रूप से 19 नवंबर 2025 को होनी थी। इस महीने की शुरुआत में लखनऊ में एक भव्य समारोह में सगाई करने वाले इस जोड़े ने शादी के लिए वाराणसी के ताज होटल को बुक किया था। लेकिन नवंबर के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू की पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण योजनाओं में बदलाव हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शादी अब फरवरी 2026 में होगी।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई इसी महीने 8 तारीख को हुई थी। यह एक निजी कार्यक्रम था जिसमें परिवार और करीबी सदस्य मौजूद थे। सगाई समारोह में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, अभिनेता जया बच्चन और भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। रिंकू ने सोशल मीडिया पर समारोह के दिल को छू लेने वाले पलों को साझा करते हुए बताया कि इस जोड़े ने इस पल का कितना लंबा इंतजार किया था।

हाल ही में 2025 के आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले रिंकू सिंह भारतीय क्रिकेट में एक जाना-माना नाम बन गए हैं। पहली बार सांसद बनीं प्रिया सरोज ने 2024 के आम चुनाव में अपनी सीट पक्की की। वाराणसी के करखियांव गांव की रहने वाली प्रिया कई सालों से राजनीति में सक्रिय हैं और पहली बार अपने पिता (तुफानी सरोज) के 2022 के चुनाव प्रचार के दौरान लोगों की नजरों में आईं।

आईसीसी ने ऋषभ को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए फटकारा

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत को अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फटकार लगायी है हालांकि वह प्रतिबंध से बच गये। आईसीसी ने ऋषभ को फटकार लगायी है और उनके खाते में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। इस मैच में ऋषभ की गेंद बदलने की अपील को अंपायर ने जांच के बाद खारिज कर दिया था जिससे नाराज होकर उन्होंने गेंद को फेंक दिया था। इसी कारण ऋषभ को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। पंत को प्लेयर्स एंड प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने' से जुड़ा है।

फटकार के भारतीय उपकप्तान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध था। यह घटना इंग्लैंड की पहली पारी के 61वें ओवर के अंत में हुई, जब अंपायरों ने गेंद बदलने की मांग पर गेज से की जांच की और इसे नहीं बदलने का फैसला किया। भारतीय खिलाड़ी ने अंपायरों के सामने गेंद को जमीन पर फेंककर अंपायरों के फैसले पर असहमति दिखाई। ऋषभ ने हालांकि अपने इस अपराध को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आगे जरुरत नहीं रही।

यशस्वी को मिली ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह

लीड्स (एजेंसी)। यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा और उसकी ओर से पांच शतक लगे। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल को अपने अच्छे प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन के विशिष्ट क्लब में जगह मिली है। यशस्वी ने पहली पारी में शतक लगाया। इससे वह इंग्लैंड के खिलाफ कम से कम 500 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों में औसत के मामले में महान बल्लेबाज डॉन ब्रेडमैन, स्टीवी डेंप्स्टर, वॉरेंस रो और जॉर्ज हेडली के विशिष्ट क्लब में जगह बनाने में सफल हुए।

यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 159 गेंदों में 101 रन बनाए। इस प्रकार यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे

ज्यादा औसत से टेस्ट रन बनाने के मामले में ब्रेडमैन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी का औसत 90.33 रहा जबकि ब्रेडमैन का औसत 89.78 का है। हालांकि, दूसरी पारी में यशस्वी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। इससे उनका औसत गिरकर 81.70 हो गया।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर ब्रेडमैन हैं।

ब्रेडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 89.78 की औसत से 5,028 टेस्ट रन बनाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर स्टीवी डेंपस्टर हैं।

डेंपस्टर ने अंग्रेजों के खिलाफ 88.42 की औसत से 619 रन बनाए थे जबकि यशस्वी सूची मेंतीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अब तक 6 टेस्ट मैच की 11 पारियों में कुल 817 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 81.70 का रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अब तक 3 शतक और इतने ही अर्धशतक लगाये हैं। लॉरेंस रो इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। रो ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 74.20 की औसत से 742 रन बनाए हैं। सूची में वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं पांचवें नंबर पर जॉर्ज हेडली हैं।1 हेडली ने इंग्लैंड के खिलाफ 71.23 की औसत से 1852 टेस्ट रन बनाए हैं।

पहले टेस्ट के पांचवें दिन भी काली पट्टी बांधकर खेले खिलाड़ी

लीड्स । भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन का खेल शुरू होने से पहले पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी की याद में एक मिनट का मौन रखा और काली पट्टी बांधी। भारत के पूर्व स्पिनर दोशी का सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 77 वर्ष के थे। उन्होंने भारत की तरफ से

33 टेस्ट मैच में 114 विकेट लिए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'दोनों टीमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप दोशी की याद में आज काली पट्टी बांध कर खेल रही हैं। दोनों टीमों ने पांचवें दिन की शुरुआत से पहले एक मिनट का मौन भी रखा।' दोशी एक दशक से भी अधिक समय तक इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में खेलते रहे। इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर और वारविकशर का प्रतिनिधित्व किया। गौर हो कि भारत ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (118 रन) और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (137 रन) की शतकीय पारियों से दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य दिया जिसने स्टंप तक बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए। पांचवें दिन इंग्लैंड ने बेन डकेट और जाक क्राउली की मदद से बिना विकेट गंवाए 108 रन बना लिए हैं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हो सकती है आर्चर की वापसी

लीड्स । इंग्लैंड के रहस्यमयी तेज गेंदबाज जोफा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। आर्चर अब अपनी चोट से उबर गये हैं और व डरहम में ससेक्स की ओर से काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ''आर्चर ससेक्स के लिये लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए उन्हे शामिल किया जा सकता है।'' आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिये खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट से बाहर हैं। आर्चर ने साल 2021 से ही इंग्लैंड के लिए लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए विशेष होगी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरूआत में ही कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था, ''कई बार वह मुझे संदेश भेजता है। मैंने उसे यही सलाह दी कि जल्दबाजी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है। उसकी वापसी इंग्लैंड के लिये महत्वपूर्ण होगी। उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिये उपलब्ध होगा।'' आर्चर अपने करियर में चोटों से खासे परिशान रहे हैं। इसी कारण वह आईपीएल में भी काफी कम खेल पाये हैं। वह अगर दूसरे टेस्ट में वापसी करते हैं तो इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण जरुर बेहतर होगा।

वेस्टइंडीज की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को छह विकट से हराया, सीरीज भी जीती

एंटवर्प (एजेंसी)। केव हिल, 24 जून (वेब वार्ता)। कप्तान हेली मैथ्यूज (65 रन/एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हराया है। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका के 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 32 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। किआना जोसेफ (छह) और रीलेआना ग्रिमोंड (पांच) रन बनाकर आउट हुई। संकटमोचक के रूप में बल्लेबाजी करने आयी शमैन कैंपबेल ने कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 82 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। 16वें ओवर मैरीजान कप्प ने शमैन कैंपवेल को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। कैंपवेल ने 38 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से (42) रनों की पारी खेली। 18वें ओवर में सुने लूस ने हेली मैथ्यूज को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। हेली मैथ्यूज ने 50 गेंदों में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से (65) रनों की पारी खेली। शिनेल हेनरी 11 गेंदों में (20) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 148 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरीजान कप्प ने दो विकेट लिये। सुने लूस और ए खाका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मैच में 65 रन बनाने और एक विकेट लेने वाली हेली मैथ्यूज को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा सीरीज में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार देर रात टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। कप्तान लॉरा वुलफार्ट ने 24 गेंदों में (28), तेजमिन ब्रिट्स (20) और सुने लूस ने (13) रन का योगदान दिया। मियान स्मिट ने 38 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 59) रनों की पारी खेली। एन डी क्लार्क (पांच) रन बनाकर नाबाद रही। वेस्टइंडीज की ओर से करिश्मा रामहैरक और ऐफी फ्लेचर ने दो-दो विकेट लिये। एस हेक्टर और हेली मैथ्यूज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बांग्लादेश ने श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की टीम, लिटन की वापसी

ढाका । बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की वापसी के अलावा चार अन्य खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। ये एकदिवसीय सीरीज 2, 5 और 8 जुलाई को होगी। पहले दो मैच कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले जाएंगे जबकि अंतिम मैच पल्लेकेले में खेला जाएगा। मुख्य चयनकर्ता गाजी अशरफ हुसैन ने कहा कि लिटन को हाल ही में बांग्लादेश की टी20 टीम के कप्तान के रूप में नियुक्त किए जाने के कारण टीम में जगह दी गयी हालांकि उनका फार्म पिछले कुछ समय से खराब रहा है। अशरफ ने कहा, लिटन खराब दौर से गुजर रहे थे पर समय के साथ सब ठीक हो जाता है। वह टी20 कप्तान हैं, इसलिए हम अगले टी20 विश्व कप तक उनके बारे में विचार कर सकते हैं। अगर किसी को फॉर्म में आना है तो उसे मैदान पर समय बिताना होगा। हमें लगता है कि लिटन अपनी फॉर्म को एकदिवसीय से टी20 में ले जा सकते हैं। वहीं टीम में शामिल नए खिलाड़ियों में मोहम्मद नईम, शमीम हुसैन, तनवीर इस्लाम और हसन महमूद हैं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नईम ने अंतिम बार सितंबर 2023 में एकदिवसीय खेला था, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर को पहली बार एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तनवीर ने अबतक छह टी20 मैच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है: मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद नईम, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदोय, लिट्टन दास, जेकर अली, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, हसन महमूद।

दिनेश कार्तिक ने बुमराह की तुलना कोहिनूर से की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती खिलाड़ी हैं। कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जिससे वह पहली पारी में 465 रन ही बना पायी। कार्तिक ने बुमराह की गेंदबाजी को देख कर ही उनकी तुलना बेशकीमती कोहिनूर हीरे से की है। कार्तिक ने बुमराह के लिए कहा, वह कोहिनूर हीरे की तरह कीमती है। वह सभी प्रारूपों में टीम के लिए महत्वपूर्ण है। वह किसी भी प्रारूप, गेंदबाजी चरण और किसी भी प्रकार के हालातों में अपना काम बखूबी करेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके पास वह दिमाग है जो जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है और उसने इसे बहुत अच्छी तरह से समझा है। 200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज को देखा जाये तो उसका औसत सबसे अच्छा है, और यह आपको बताता है कि वह बहुत विशेष है। बुमराह ने टेस्ट में 14 वीं बार पांच विकेट लेकर कपिल के रिकॉर्ड की बराबरी की है। बुमराह एकमात्र खिलाड़ी रहे जिनके सामने मेजबान इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में रहे।

कुंबले ओर हरभजन में से किसी एक को बाहर करना होता था सबसे कठिन: गांगुली

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि उनके लिए कप्तान के तौर पर सबसे अधिक कठिन फैसला स्पिनर अनिल कुंबले और हरभजन सिंह में से किसी एक का चयन रहा है। गांगुली ने बताया है ये दोनो ही इतने बेहतर थे कि किसी एक को बाहर करने का फैसला मजबूरी में करना पड़ता था। साथ ही कहा कि बाहर किये जाने पर ये दोनो ही सवाल भी करते थे कि हमें किस प्रकार बाहर किया था जिसका जवाब देना कठिन होता था। गांगुली के अनसार ये दोनो ही चैंपियन थे और टीम में ऐसे खिलाड़ी होने ही चाहिए।

गांगुली ने हाल ही में कहा, मैं टीम के हित में लिए गए कठिन फैसलों को खिलाड़ियों को आसानी से समझा देता था पर कुंबले और हरभजन उनके लिए परेशानी पैदा कर देते थे। उन्होंने कहा, कई बार कुंबले और हरभजन में से किसी एक को चुनना सबसे कठिन काम था। भारत में ऐसा नहीं हुआ। उपमहाद्वीप में ऐसा नहीं हुआ पर जब आप हरी पिचों पर चले गए, जहां हमें एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज की जरूरत होती थी, तो मुझे कुंबले और हरभजन से किसी एक को ही रखना पड़ता था।

उन्होंने आगे बताया, कई बार ऐसा हुआ है जब वे दोनों साथ में खेले, लेकिन, हां, वह मुश्किल हिस्सा था। आप जिसे आराम देना चाहते थे, वह बहुत खुश नहीं होता था। बिल्कुल नहीं। उनका पहला सवाल होता था, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ईमानदारी से कहूं तो, आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आपको बताएं, मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये वे खिलाड़ी नहीं थे, जिन्हें आप कहते कि आप नहीं खेल रहे हैं और वे पांच दिन की छुट्टी पाकर खुश हो जाएंगे। आप टीम में ऐसे खिलाड़ी चाहते थे जो आकर आपसे कहें और पूछें कि मैं क्यों नहीं खेल रहा हूं? ये परिस्थितियां मेरे अनुकूल हैं, चाहे वे अनुकूल हों या नहीं हों। इस पूर्व कप्तान ने कहा, यही उनका मानना ??है कि वे भारत के लिए मैच जीतेंगे, उन हालातों में भारत के लिए मैच जीतेंगे। अनिल और हरभजन दोनों ही थे। हां। इतनी क्षमता, इतना आत्मसम्मान, प्रदर्शन पर इतना गर्व है, लेकिन मैं खुश था, क्योंकि दिन के अंत में, मेरे पास दो खिलाड़ी थे जो पूरी तरह चैंपियन थे। गांगुली

की गिनती ऐसे कप्तान के तौर पर होत है जिन्होंने टीम को आक्रामक बनाया और जीत की आदत डाली। उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिये।

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन, बीसीसीआई ने शोक व्यक्त किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे और लंदन में रह रहे थे, वहीं उन्होंने सोमवार को अंतिम सांसें लीं। दोशी ने साल 1979 से लेकर 1983 तक भारतीय टीम की ओर से 33 टेस्ट और 15 एकदिवसीय मैच खेलकर कुल 126 विकेट लिए थे। उन्होंने टेस्ट में 114 और एकदिवसीय में 22 विकेट लिए। 32 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले दोशी उन नौ भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में भी पांच विकेट लिए थे। तब किम ह्यूज की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत आई थी और उसमें देशी जबरदस्त प्रदर्शन कर खासे लोकप्रिय हुए थे। दोशी क्रिकेट से संन्यास के बाद लंदन में बस गये थे। दोशी ने साल 1980 के दशक में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। गुजरात के राजकोट में जन्मे दोशी ने सौराष्ट्र और बंगाल के अलावा इंग्लैंड में वार्विकशायर और नॉटिंघमशायर की ओर से भी प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला। उन्होंने 238 प्रथम श्रेणी मैचों में 898 विकेट हासिल किए। उन्होंने 59 लिस्ट ए मुकाबलों में 75 विकेट लिए। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी है। उनके बेटे नयन दोशी ने सरे और सौराष्ट्र के लिए खेल है। दोशी के निधन की खबर से क्रिकेट जगत में शोक व्याप्त है, कई पूर्व क्रिकेटरों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। बीसीसीआई के पूर्व सचिव निरंजन शाह ने कहा, यह मेरे लिए बेहद दर्दनाक और व्यक्तिगत क्षति है।

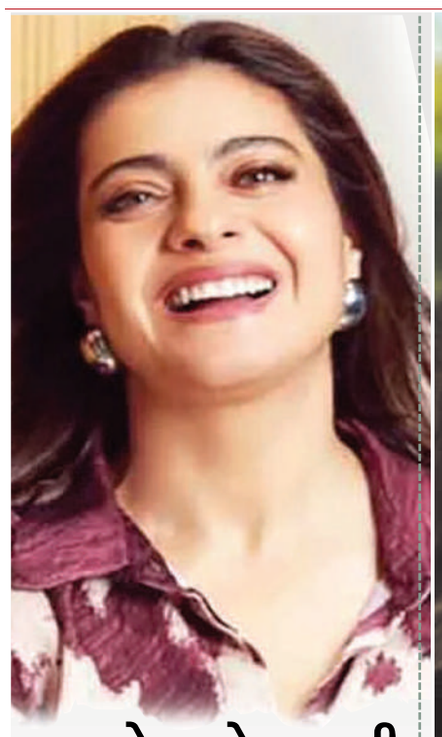

काजोल ने अपनी बेटी नीसा के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की

सिनेमाई दुनिया की चर्चित अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म मां के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल स्टारकिड्स फिल्मी दुनिया में डेब्यू करते दिख रहे हैं। अब इसी कड़ी में काजोल ने भी अपनी बेटी नीसा देवगन के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

क्या अभिनय में कदम रखने वाली हैं नायसा

हाल ही में काजोल फिल्मीज्ञान के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने बेटी को लेकर बात की। अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या वह भी अन्य पैरेंट्स की तरह भी अपनी बेटी को फिल्मों में लाने की योजना बना रही हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगी, उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि वे वही करें, जिससे उन्हें खुशी मिलती है और जो उन्हें लगता है कि वे उसमें सफल होंगे।'

काजोल ने बच्चों के बारे बताई ये बात

आगे बातचीत में काजोल ने बताया, 'मेरे बच्चों को मेरी पिक्चर पसंद नहीं आती क्योंकि मुझे उसमें रोना धोना पड़ता है और उन्हें अपनी मां को स्क्रीन पर रोते हुए देखना पसंद नहीं है। नीसा और युग मुझे रोते हुए देख कर बहुत सहम जाते हैं । मैंने उन्हें बोला है कि यह सब झूठ है पर उन्हें समझ नहीं आता।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मां, शैतान के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

20 साल छोटी इस अभिनेत्री के साथ रोमांस करेंगे रणवीर सिंह?

अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है और सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस एक्शन फिल्म में संजय दत और अर्जुन रामपाल जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। ये जानकारी फिल्म की लीड एक्ट्रेस को लेकर आ रही है। फिल्म 'धुरंधर' को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ सारा अर्जुन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट में ये दावा किया जा रहा है कि चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं 20 साल की सारा अर्जुन 39 साल के रणवीर सिंह के साथ इस फिल्म में रोमांस करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में उनकी भूमिका छोटी होगी। हालांकि, रणवीर और सारा के बीच 20 साल का अंतर है। ऐसे में पर्दे पर ये अनोखी जोड़नी देखना एक अलग एहसास होगा। इसीलिए कई यूजर्स को ये खबर पसंद नहीं आ रही है।

मेकर्स ने अभी तक नहीं की पुष्टि

इस खबर के सामने आने के बाद बेशक नेटिजंस को ये खबर पसंद नहीं आई। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक सारा अर्जुन के फिल्म का हिस्सा होने के बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। जबकि सारा के फिल्म का हिस्सा होने की खबर साल 2024 में ही सबसे पहले आई थी। इसके बाद फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। वहीं पिछले दिनों 'धुरंधर' के टीजर को लेकर भी खबर आई थी। लेकिन मेकर्स ने अभी तक फिल्म लीड एक्ट्रेस को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। ऐसे में सारा अर्जुन फिल्म का हिस्सा होंगी या नहीं इस बारे में कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। चाइल्ड आर्टिस्ट रहीं सारा अर्जुन 'देइवा थिरुमगल', 'जय हो' और 'पोन्नियिन सेलवन' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रकुल प्रीत को मिला ये सम्मान

शनिवार को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है। इस मौके पर केंद्र सरकार की तरफ से भी फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया है, जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस खिताब को पाने के बाद कपल्स ने प्रतिक्रिया दी है।

अवॉर्ड पाकर गर्व महसूस कर रहीं अभिनेत्री

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सरकार की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और उनके पति जैकी भगनानी को फिट इंडिया कपल अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर एक्ट्रेस गर्व महसूस कर रही हैं। एएनआई से बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'हमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फिट इंडिया कपल का पुरस्कार मिला, ये बहुत गर्व की बात है। हमें उम्मीद है कि हम लोगों को फिटनेस के बारे में प्रेरित कर सकेंगे, जिससे वो इसे अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।'

रकुल प्रीत सिंह का वर्कफंट

रकुल प्रीत सिंह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्हें आखिरी बार मेरे हसबैंड की बीवी में देखा गया था, जिसमें अर्जुन कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करने में नाकामयाब साबित हुई थी। इसके अलावा अभिनेत्री की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'इंडियन 3' और 'दे दे प्यार दे 2' में देखा जाएगा।

'दिल थाम के' गाने के लिए हुमा कुरैशी ने की थी कड़ी मेहनत

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं हैं। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस ने हाल ही में रिलीज हुए सॉन्ग 'दिल थाम के' दौरान के कुछ पलों को साझा किया है। साझा की गई पहली और दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री दिल थाम के सॉन्ग के दौरान डांस मूव्स करती नजर आ रही हैं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इन दोनों तस्वीरों के बारे में एक्ट्रेस ने बताया ये उनके लिए बहुत ही खूबसूरत फोटोज हैं। इसके अलावा उन्होंने अन्य दो तस्वीरों में इस सॉन्ग के लिए उन्हें क्या डाइट लेनी पड़ती थी, उसकी झलक दिखाई है। वहीं अभिनेत्री ने एक और तस्वीर शेयर करते हुए बताया कि पहली बार उन्होंने ऐसा खूबसूरत आउटफिट पहना है। अन्य तस्वीरों में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं आपको बताते चलें कि हुमा कुरैशी, राजकुमार राव की आगामी फिल्म मालिक में नजर आएंगी, जिनका गाना 'दिल थाम के' हाल ही में रिलीज हुआ है।

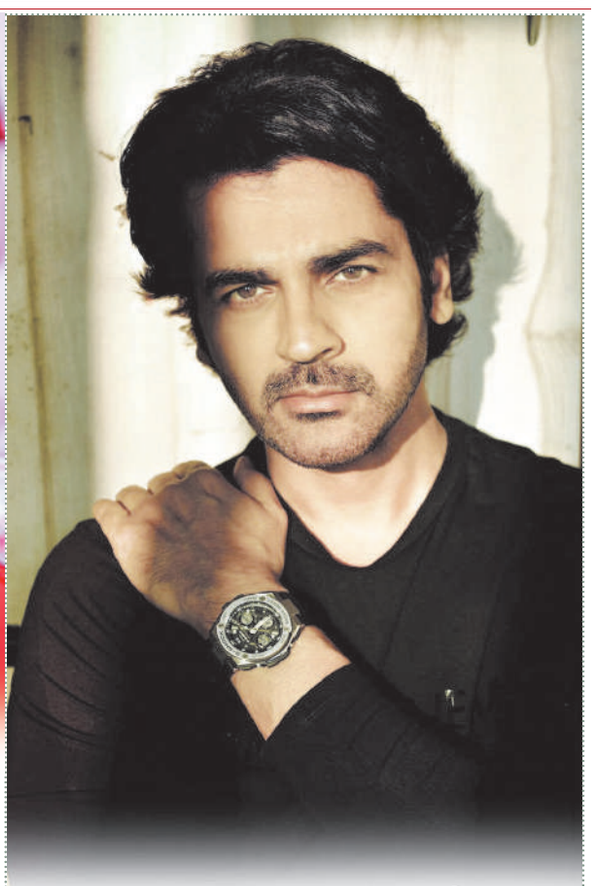

श्रुति हासन ने टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई

अभिनेता अर्जन बाजवा ने वेब सीरीज बेस्टसेलर में एक्ट्रेस श्रुति हासन के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने श्रुति की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। अर्जन बाजवा ने कहा कि श्रुति ने खुद के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया और साथ ही अपना म्यूजिक टैलेंट भी दिखाया है। उनकी कामयाबी उनकी अपनी मेहनत की वजह से है। अर्जन ने आगे ने कहा, श्रुति हासन के साथ काम करना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। वह बहुत टैलेंटेड हैं, कई भाषाएं बोल लेती हैं और तेलुगू, तमिल, हिंदी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। हमारे बीच अच्छी दोस्ती हो गई है। उन्होंने कहा, श्रुति को अपने पिता कमल हासन से टैलेंट मिला है, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है। इसके अलावा, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है। बता दें कि अर्जन बाजवा ने श्रुति हासन के साथ 2022 में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज बेस्टसेलर में काम किया था। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इस सीरीज में मिथुन चक्रवर्ती, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी भी अहम किरदार में हैं। अर्जन बाजवा ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के लिए भी अपना सम्मान जाहिर किया। उन्होंने कहा कि मिथुन बहुत सरल और विनम्र स्वभाव के हैं और हमेशा अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। अर्जन बाजवा ने कहा, मिथुन दा एक जबरदस्त अभिनेता हैं। मुझे उनकी सबसे अच्छी बात उनकी विनम्रता लगती है, जो उन्होंने कई सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में रहने के बाद भी बनाए रखी है। वह हर नए प्रोजेक्ट में उतनी ही ऊर्जा और उत्साह लेकर आते हैं, जैसे कोई नया कलाकार आता है। यह हमारे लिए सीखने वाली बात है, उनका जुनून और मेहनत सच में प्रेरणादायक है।

ओटीटी मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ

हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन गाने तो होते ही हैं, हमारे यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई सम्मानों से नवाजे जा चुके पंकज त्रिपाठी के किरदारों से ही नहीं बल्कि शख्सियत से भी अपनी मिट्टी की खुशबू आती है। पंकज ओटीटी को संजीवनी बूटी मानते हैं।

करियर के आरंभिक दिनों में आपने नकारे जाने का दर्द भी सहा और छोटी-छोटी भूमिकाएं भी कीं, मगर आज आप शीर्ष पर हैं, कैसा महसूस करते हैं?

मैं सफलता में अति उत्साही नहीं होता, उसी तरह असफलता मुझे हतोत्साहित नहीं करती। मुझे याद नहीं कि कोई बहुत पीड़ादायक या कॉम्प्लिक्ट का दौर चला हो। असल में पत्नी टीचर थीं और हमारी जरूरतें सीमित थीं। सर्वाइवल का कोई संकट नहीं था। संघर्ष का यह दौर 9-10 साल चला। तब सोशल मीडिया और इंटरनेट नहीं था तो मैं ज्ञान खोजता रहता था। मैं तब साहित्य और दर्शन की किताबें पढ़ता था।

छोटी-मोटी भूमिकाओं से लेकर हीरो के समकक्ष वाले किरदारों तक आपके लिए ट्रांसफॉर्मेशन का दौर कैसा रहा?

ट्रांसफॉर्मेशन के दौर में हमारे लिए तकनीक ने बहुत बड़ा काम किया। मैं ओटीटी के शुरुआती दौर का हूं, चाहे वह मिर्जापुर हो या क्रिमिनल जस्टिस या सेक्रेड गेम्स। यह मेरे लिए संजीवनी बूटी साबित हुआ। लोगों के हाथ में मोबाइल और लैपटॉप का होना और सोशल मीडिया की लहर दौड़ना। लोग मेरा काम देखकर सोशल मीडिया पर लिखने लगे कि ये एक्टर अच्छा काम करता है। फिर मीडिया मुझे खोजने लगी। वरना मैं जिस तरह का अभिनय करता हूं, वह लोगों की समझ में नहीं आता। मैं समझ सकता हूं कि इरफान खान को कितनी समस्या होती होगी। किसी इमोशन को उतना लाउड नहीं दिखाना है।

वर्ल्ड सिनेमा की बात करें तो रेस में हम किस पायदान पर हैं?

सिनेमा की रेस में मेरे लिए पायदान अर्थ नहीं रखता क्योंकि उनका कल्चर, उनका रियलिज्म अलग है। हमारी स्टोरी टेलिंग अलग है क्योंकि हमारा समाज और संस्कृति अलग है। तुलना मत कीजिए, आर्ट की तुलना नहीं हो सकती। हमारे सिनेमा का उदय गानों के साथ हुआ क्योंकि गाने हमारे समाज में हैं। शादी हो या मुंडन, यहां तो धान रोपने में भी गाने गाए जाते हैं। समाज में गाने थे, इसलिए फिल्मों में भी आए, इसलिए यह तुलना बेमानी है। ठीक उसी तरह वैश्विक सम्मान को भी पैमाना नहीं बनाना चाहिए कि अगर हमें सम्मान नहीं मिला, तो हम अच्छा काम नहीं कर रहे।

NSD का आपके अभिनय करियर में कितना योगदान रहा?

वहां जाकर ही समझ आया कि आर्ट की दुनिया कितनी बड़ी है और जीवन के अनुभव कितने बहुमूल्य हो सकते हैं। हमें वहां अनुराधा मैम विंडो इमेज पढ़ाती थीं। वह हमेशा कहती थीं कि अपनी विंडो क्रिएट करो। हम दो-तीन मिलकर एक क्रिएट करते थे, अपने अनुभवों के आधार पर, मगर वे बार-बार उसे ठीक करवाती थीं। कहती थीं, इसमें कुछ यूनीक नहीं है। अपनी खिड़की को खोजते-खोजते हम इस बात पर आते थे कि एक आईना लटका हुआ है और उसके लटकते फ्रेम पर एक बिंदी चिपकी हुई है। वरना उससे पहले तो हम सिनेमा वाला विंडो क्रिएट करते कि एक खूबसूरत लड़की खिड़की पर आकर खड़ी हो गई है।

आपकी वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस में आप एक ईमानदार वकील बने हैं। असल जिंदगी में हमने देखा है कि कई बार न्याय प्रणाली में देरी हो जाती है या सवाल उठ खड़े होते हैं?

वह बहुत कॉम्प्लिकेटेड है क्योंकि उसके कई कारण हैं। एक तो है, हमारी जनसंख्या। अदालतों में जितने केस लंबित हैं, दूसरे केस का नंबर आने में ही वक्त लग जाता है। जांच-परख में भी समय लगता है, क्योंकि हमारी न्याय प्रणाली कहती है कि भले एक दोषी मुक्त हो जाए, मगर निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

इन दिनों इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट को लेकर बहस चल रही है।

जो 8 घंटे की शिफ्ट बनी है, वह ग्लोबली है। 24 घंटों को हमने 3 भागों में डिवाइड किया है। 8 घंटे काम, 8 घंटे सोना कर 8 घंटे आपका पारिवारिक जीवन, सेल्फ केयर और सामाजिक दायित्व। पहले ऐसा होता भी था। ज्यादा काम को ओवरटाइम कहा जाता था। मगर हमारी इंडस्ट्री में 12 घंटे की शिफ्ट कंपल्सरी जैसी है और फिर ट्रेवलिंग का समय अलग से। मैंने खुद महसूस किया है कि मैं जब लगातार शूटिंग करता हूं, तो मेरी नींद पूरी नहीं होती, जिसका असर मेरे अभिनय पर पड़ता है। फिल्म सेट पर एक अभिनेता ही ऐसा होता है, जिसके पास कोई यंत्र या बटन नहीं होता कि स्विच ऑफ कर सके। सिर्फ हम अभिनेता ही इमोशनल लेबर करते हैं। अभिनेता तभी अच्छा परफॉर्म कर सकता है, जब उसे प्रॉपर आराम मिले। बात 8 या 12 घंटे की नहीं है, बात एक्टर के काम की है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।